CUH HOLDS CONVOCATION

Mahendragarh: The Central University of Haryana (CUH) organised its 8th convocation in which Governor Bandaru Dattatraya was the chief guest while National Board of Accreditation Chairman Prof KK Aggarwal was present on the occasion as the guest of honour. Vice-Chancellor Prof Tankeswar Kumar informed 1,078 students were awarded degrees of PhD, MPhil, postgraduate and undergraduate courses. Among them were 604 boys and 474 girls.

पुरातत्व के संवर्द्धन में हकेंवि देगा योगदान

महेंद्रगढ़। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को देश के 30 संस्थानों की उस सूची में शामिल किया है, जोकि पुरातत्व एवं विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने के लिए अधिसूचित है। विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग इस कार्य को करेगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसे विश्वविद्यालय के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताते हुए भारत सरकार का धन्यवाद किया। कुलपति ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय से अधिसूचित होने के बाद विश्वविद्यालय प्राचीन स्मारकों एवं पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में नियमन एवं संचालन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे सकेगा। डॉ. सिंह ने बताया कि इससे पहले भी विभाग भिवानी जिले के तिगड़ाना स्थान से हड़प्पा कालीन अवशेषों को खुदाई कर प्राप्त किया था। संवाद

हकेंवि एबीवीपी इकाई ने सैन्य विज्ञान विषय को परास्नातक सत्र पर शुरू करने की मांग की

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई ने सैन्य विज्ञान विषय को परास्नातक सत्र पर इसी सत्र से शुरू करने की मांग उठाई। विद्यार्थी परिषद विश्वविद्यालय के कार्यकर्ताओं ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को ज्ञापन सौंपा। अभाविप महेंद्रगढ़ के जिला संयोजक कर्मपाल यादव ने बताया कि पश्चिमी देशों की तरह छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय सुरक्षा और चुनौतियों से अवगत करवाया जाए। सैन्य विज्ञान विषय को 5 वर्षीय एलएलबी व एनसीसी पाठ्यक्रम में ऐच्छिक विषय के तौर पर शामिल किया गया हैं। जिससे इस विषय में रोजगार के ओर अधिक अवसर बढ़ गए हैं। इस विषय मे रुचि होने के कारण परास्नातक की पढ़ाई के लिए जिले मे विश्वविद्यालय होते हुए भी क्षेत्र के विद्यार्थियों को रोहतक, कुरुक्षेत्र, दिल्ली या पंजाब की ओर रुख करना पड़ता है जिसके कारण कुछ छात्र और छात्राओं को अपने सपने तोड़ने पड़ते है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय मे सैन्य विज्ञान विभाग खुलना चाहिए ताकि क्षेत्र के विद्यार्थी रक्षा सेवाओं में और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र मे अपना अधिक से अधिक योगदान दे सके। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने अभाविप को आश्वासन दिया कि वह नया कोर्स प्रारंभ करने का पूरा प्रयास करेंगे। इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री राकेश हाथो, विश्वविद्यालय इकाई मंत्री तनीषा शर्मा, विश्वविद्यालय इकाई उपाध्यक्ष संजीत कुमार, विश्वविद्यालय इकाई सहमंत्री सौरभ बड़वाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुरातत्त्व और विरासत से संबंधित विभिन्न गतिविधियां चलाएगा हकेंवि

महेंद्रगढ़ | संस्कृति मंत्रालय द्वारा केविवि महेंद्रगढ़ को देश के 30 संस्थानों की उस सूची में शामिल किया है, जो कि पुरातत्त्व एवं विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने हेतु अधिसूचित है। विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग इस कार्य को करेगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसे विश्वविद्यालय के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताते हुए भारत सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया और इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के शिक्षकों द्वारा इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय से अधिसूचित होने के बाद विश्वविद्यालय प्राचीन स्मारकों एवं पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में नियमन एवं संचालन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे सकेगा। विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि के बारे जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के प्रभारी डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि विभाग को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश के प्रमुख संस्थानों में शामिल किया गया है, जो पुरातत्व और विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों का संचालन करेगा। इस हेतु हेतु भारत सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से देश की 30 संस्थाओं का चयन किया गया, जिसमें हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग भी शामिल है।

विरासत के संवर्द्धन में हकेंवि देगा योगदान

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ को देश के 30 संस्थानों की उस सूची में शामिल किया है, जो पुरातत्व एवं विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने हेतु अधिसूचित है। विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग इस कार्य को करेगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसे विश्वविद्यालय के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताते हुए भारत सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया और इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के शिक्षकों द्वारा इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय से अधिसूचित होने के बाद विश्वविद्यालय प्राचीन स्मारकों एवं पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में नियमन एवं संचालन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे सकेगा। विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के प्रभारी डा. नरेंद्र सिंह ने बताया कि विभाग को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश के प्रमुख संस्थानों में शामिल किया गया है, जो पुरातत्व और विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों का संचालन करेगा। इसके लिए भारत सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से देश की 30 संस्थाओं का चयन किया, जिसमें हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग भी शामिल है। उन्होंने बताया कि उत्तर क्षेत्र के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित केवल चार संस्थानों का चयन किया गया है। डा. सिंह ने बताया कि इससे पहले भी विभाग भिवानी जिले के तिगड़ाना स्थान से हड़प्पाकालीन अवशेषों को खुदाई कर प्राप्त कर चुका है। विभाग के इस कार्य की भी देश भर में सराहना हुई थी। इस कार्य से हड़प्पाकालीन इतिहास के अध्ययन में अत्यधिक स्पष्टता आने की संभावना प्रबल हुई है। विभाग ने अपनी स्थापना की अल्पावधि में ही कई उपलब्धियां अर्जित की हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

University will contribute in the promotion of Archeology and Heritage

Newspaper: Amar Ujala **Date: 04-03-2022**

पुरातत्व के संवर्द्धन में हकेंवि देगा योगदान

महेंद्रगढ़। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को देश के 30 संस्थानों की उस सूची में शामिल किया है, जोकि पुरातत्व एवं विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने के लिए अधिसूचित है। विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग इस कार्य को करेगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसे विश्वविद्यालय के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताते हुए भारत सरकार का धन्यवाद किया। कुलपति ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय से अधिसूचित होने के बाद विश्वविद्यालय प्राचीन स्मारकों एवं पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में नियमन एवं संचालन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे सकेगा। डॉ. सिंह ने बताया कि इससे पहले भी विभाग भिवानी जिले के तिगड़ाना स्थान से हड़प्पा कालीन अवशेषों को खुदाई कर प्राप्त किया था। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 04-03-2022**

पुरातत्त्व और विरासत से संबंधित विभिन्न गतिविधियां चलाएगा हकेंवि

महेंद्रगढ़ | संस्कृति मंत्रालय द्वारा केविवि महेंद्रगढ़ को देश के 30 संस्थानों की उस सूची में शामिल किया है, जो कि पुरातत्त्व एवं विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने हेतु अधिसूचित है। विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग इस कार्य को करेगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसे विश्वविद्यालय के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताते हुए भारत सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया और इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के शिक्षकों द्वारा इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय से अधिसूचित होने के बाद विश्वविद्यालय प्राचीन स्मारकों एवं पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में नियमन एवं संचालन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे सकेगा। विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि के बारे जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के प्रभारी डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि विभाग को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश के प्रमुख संस्थानों में शामिल किया गया है, जो पुरातत्व और विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों का संचालन करेगा। इस हेतु हेतु भारत सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से देश की 30 संस्थाओं का चयन किया गया, जिसमें हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग भी शामिल है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 04-03-2022**

विरासत के संवर्द्धन में हकेंवि देगा योगदान

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ को देश के 30 संस्थानों की उस सूची में शामिल किया है, जो पुरातत्व एवं विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने हेतु अधिसूचित है। विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग इस कार्य को करेगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसे विश्वविद्यालय के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताते हुए भारत सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया और इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के शिक्षकों द्वारा इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय से अधिसूचित होने के बाद विश्वविद्यालय प्राचीन स्मारकों एवं पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में नियमन एवं संचालन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे सकेगा। विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के प्रभारी डा. नरेंद्र सिंह ने बताया कि विभाग को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश के प्रमुख संस्थानों में शामिल किया गया है, जो पुरातत्व और विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों का संचालन करेगा। इसके लिए भारत सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से देश की 30 संस्थाओं का चयन किया, जिसमें हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग भी शामिल है। उन्होंने बताया कि उत्तर क्षेत्र के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित केवल चार संस्थानों का चयन किया गया है। डा. सिंह ने बताया कि इससे पहले भी विभाग भिवानी जिले के तिगड़ाना स्थान से हड़प्पाकालीन अवशेषों को खुदाई कर प्राप्त कर चुका है। विभाग के इस कार्य की भी देश भर में सराहना हुई थी। इस कार्य से हड़प्पाकालीन इतिहास के अध्ययन में अत्यधिक स्पष्टता आने की संभावना प्रबल हुई है। विभाग ने अपनी स्थापना की अल्पावधि में ही कई उपलब्धियां अर्जित की हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 04-03-2022**

पुरातत्व एवं विरासत के संवर्द्धन में हकेंवि देगा योगदान

महेंद्रगढ़, 3 मार्च (परमजीत, मोहन): भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ को देश के 30 संस्थानों की उस सूची में शामिल किया है जो कि पुरातत्व एवं विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने हेतु अधिसूचित है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसे विश्वविद्यालय के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताया और इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के शिक्षकों द्वारा इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। प्रो. टंकेश्वर ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय से अधिसूचित होने के बाद विश्वविद्यालय प्राचीन स्मारकों एवं पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में नियमन एवं संचालन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे सकेगा।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि के बारे जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के प्रभारी डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि विभाग को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश के प्रमुख संस्थानों में शामिल किया गया है, जो पुरातत्व और विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों का संचालन करेगा।

इस हेतु भारत सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से देश की 30 संस्थाओं का चयन किया गया, जिसमें हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग भी शामिल है। डॉ. सिंह ने बताया कि इससे पहले भी विभाग ने भिवानी जिले के तिगड़ाना स्थान से हड़प्पाकालीन अवशेषों को खुदाई कर प्राप्त किया था। विभाग के इस कार्य की भी देश भर में सराहना हुई थी।

पुरातत्व एवं विरासत के संवर्द्धन में हकेंवि देगा योगदान

महेंद्रगढ़, 3 मार्च (परमजीत, मोहन): भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ को देश के 30 संस्थानों की उस सूची में शामिल किया है जो कि पुरातत्व एवं विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने हेतु अधिसूचित है।हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसे विश्वविद्यालय के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताया और इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के शिक्षकों द्वारा इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। प्रो. टंकेश्वर ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय से अधिसूचित होने के बाद विश्वविद्यालय प्राचीन स्मारकों एवं पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में नियमन एवं संचालन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे सकेगा।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि के बारे जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के प्रभारी डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि विभाग को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश के प्रमुख संस्थानों में शामिल किया गया है, जो पुरातत्व और विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों का संचालन करेगा।

इस हेतु भारत सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से देश की 30 संस्थाओं का चयन किया गया, जिसमें हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग भी शामिल है। डॉ. सिंह ने बताया कि इससे पहले भी विभाग ने भिवानी जिले के तिगड़ाना स्थान से हड़प्पाकालीन अवशेषों को खुदाई कर प्राप्त किया था। विभाग के इस कार्य की भी देश भर में सराहना हुई थी।

हकेंवि में नेशनल मिशन फोर मेंटरिंग पर ओपन हाउस चर्चा

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ ने राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नेशनल मिशन फोर मेंटरिंग (एनएमएम) के महत्व पर एक ओपन हाउस चर्चा का आयोजन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि तथा डीईईओ विजेंद्र श्योराण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में उच्च शिक्षा के साथ-साथ उत्तम शिक्षा उपलब्ध करवाने पर जोर दिया। ब्लेंडेड माध्यम से आयोजित इस चर्चा का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

कुलपति ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में परिवर्तन आएगा। साथ ही डिमांड और चुनौतियां भी बढ़ेगी। ऐसी स्थिति से निपटने में नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया वे विद्यार्थी के गुण व स्थिति की पहचान कर उसे उसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि मेंटरिंग का मतलब है कि हम अपने विचारों, अनुभवों को साझा करें। उन्होंने शिक्षा, प्रशासन और प्रबंधन में परामर्शदाता के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने कार्यक्रम के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि परामर्शदाता सही रास्ता चुनने और सही निर्णय लेने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एनआईईपीए के प्रो. पीके मिश्रा ने परामर्श ग्राही को अच्छे परामर्शदाता चुनने के विभिन्न मानदंडों पर प्रकाश डाला।

एनसीटीई की सदस्य सचिव केसांग शेरपा ने चर्चा की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया तथा एनएमएम की समिति सदस्य डॉ. अमिना चरनिया ने एनएमएम की ब्लू बुक के बारे में जानकारी दी। एनसीटीई के विनय आर. संजीवी तथा सोविक बंदोपाध्याय ने भी विषय से संबंधित अपने विचार रखे। इसी क्रम में कार्यक्रम के अन्य विशिष्ट पैनलिस्ट एनसीटीई के पूर्व उपाध्यक्ष व डीईपी-एसएसए, स्कूल ऑफ एजुकेशन, इग्नू, नई दिल्ली के प्रो. एसवीएस चौधरी, गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार की प्रो. वंदना पुनिया, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व शैक्षणिक अधिष्ठाता, प्रो. संजीव कुमार, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, की डॉ. प्रियंका सिंह निरंजन, एनसीईआरटी, नई दिल्ली के सेवानिवृत्त प्रो. एसके यादव ने भी ने शिक्षा में परामर्श के महत्व और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मंच का संचालन शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल ने किया। शिक्षा पीठ के प्रो. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

हकेवि में स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

विद्यार्थियों को शिक्षा क्षेत्र के आधुनिक कौशल में उत्तम तरीके से सक्षम बनाने की कड़ी में हकेवि, महेंद्रगढ़ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विश्व प्रतिष्ठित सीएसआई कंपनी के एसएपी 2000 सॉफ्टवेयर पर 4 मार्च 2022 से 6 मार्च 2022 तक कार्यशाला होगी । विवि के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने वर्तमान समय में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस सॉफ्टवेयर की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सभी को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही कुलपति महोदय ने युवाओं के भाग लेने पर हर्ष व्यक्त किया।

बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग तथा एम.टेक. स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग के विद्यार्थी एवं शोधार्थी के लिए आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन के मौके पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विकास गर्ग ने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को नवाचार के लिए नई तकनीक सीखने की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन डॉ. फूल सिंह ने इस सॉफ्टवेयर की उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. नीरज कुमार ने चंडीगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज के इंजीनियर अनिल धीमान का परिचय प्रस्तुत किया। अनिल धीमान ने सॉफ्टवेयर की उपयोगिता से संबंधित विभिन्न पक्षों से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने सिविल एवं स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में इस सॉफ्टवेयर के योगदान के बारे में बताया। अनिल धीमान ने एसएपी 2000 सॉफ्टवेयर पर स्ट्रक्चर प्रोटोटाइप निर्माण से लेकर स्ट्रक्चर एनालिसिस और डिजाइन की प्रक्रिया को समझाया ।

कार्यशाला में प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों ने विषय से संबंधित जिज्ञासाओं को को शांत किया कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नीरज कुमार के प्रेषित किया। सॉफ्टवेयर सीखने के साथ उस पर नियमित रूप से अभ्यास को भी जरूरी बताया। कार्यक्रम सफल बनाने को सभी का आभार भी व्यक्त किया। कार्यशाला में सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से डॉ. नीरज कुमार, डॉ. रणवीर सिंह, डॉ. अभिषेक जिंदल, डॉ. विकास कुमार, इंजीनियर दीपक राणा, इंजीनियर सनी तंवर, एवं इंजीनियर सुधीर कुमार तथा विद्यार्थी आयोजन दल से धर्मेंद्र कुशवाहा, सैय्यद अतयब, मो. ज़ैदी, कुश सिन्हा मौजूद रहे।

हकेंवि में ओपन हाउस चर्चा का आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नेशनल मिशन फोर मेंटरिंग (एनएमएम) के महत्व पर एक ओपन हाउस चर्चा का आयोजन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि तथा जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी, महेंद्रगढ़ विजेंद्र श्योराण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में उच्च शिक्षा के साथ-साथ उत्तम शिक्षा उपलब्ध करवाने पर जोर दिया। ब्लेंडेड माध्यम से आयोजित इस चर्चा का उद्घाटन दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में परिवर्तन आएगा। साथ ही डिमांड और चुनौतियां भी बढ़ेगी। ऐसी स्थिति से निपटने में नेशनल मिशन फार मेंनटरिंग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया वे विद्यार्थी के गुण व स्थिति की पहचान कर उसे उसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि मेंटरिंग का मतलब है कि हम अपने विचारों, अनुभवों को सांझा करें। उन्होंने शिक्षा, प्रशासन और प्रबंधन में परामर्शदाता के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कुलपति ने उच्च शिक्षा के साथ-साथ उत्तम शिक्षा उपलब्ध करवाने पर भी जोर दिया। उन्होंने मूल्य आधारित शिक्षा पर जोर देते हुए विद्यार्थियों की डिग्री और क्षमता के बीच की खाई को पाटने की आवश्यकता बताई। इससे पूर्व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि परामर्शदाता सही रास्ता चुनने और सही निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राष्ट्रीय शैक्षणिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआइईपीए) के प्रो. पीके मिश्रा ने परामर्शग्राही को अच्छे परामर्शदाता चुनने के विभिन्न मानदंडो पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यदि हम सही परामर्श चाहते है तो यह आवश्यक है कि परामर्शग्राही को अपनी समस्या व दुविधा को मेंटर से समक्ष स्पष्ट रूप से रखें तथा उनकी सलाह को ध्यान से व विश्वासपूर्वक सुने। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण व अर्जुन का उदाहरण देते हुए परामर्शदाता और परामर्शग्राही की भूमिका से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

***

स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग साफ्टवेयर पर कार्यशाला

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: विद्यार्थियों को शिक्षा क्षेत्र के आधुनिक कौशल में उत्तम तरीक़े से सक्षम बनाने की कड़ी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विश्व प्रतिष्ठित सीएसआई कंपनी के एसएपी 2000 साफ्टवेयर पर चार मार्च से छह मार्च तक कार्यशाला का आयोजन किया किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने वर्तमान समय में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस सॉफ्टवेयर की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सभी को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही कुलपति ने युवाओं के भाग लेने पर हर्ष व्यक्त किया। बीटेक सिविल इंजीनियरिंग तथा एमटेक स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग के विद्यार्थी एवं शोधार्थी के लिए आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन के मौके पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. विकास गर्ग ने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को नवाचार के लिए नई तकनीक सीखने की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन डा. फूल सिंह ने इस सॉफ्टवेयर की उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. नीरज कुमार ने चंडीगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज के इंजीनियर अनिल धीमान का परिचय प्रस्तुत किया। अनिल धीमान ने साफ्टवेयर की उपयोगिता से संबंधित विभिन्न पक्षों से अवगत कराया। उन्होंने सिविल एवं स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में इस सॉफ्टवेयर के योगदान के बारे में बताया। अनिल धीमान ने एसएपी 2000 सॉफ्टवेयर पर स्ट्रक्चर प्रोटोटाइप निर्माण से लेकर स्ट्रक्चर एनालिसिस और डिजाइन की प्रक्रिया को समझाया तथा सॉफ्टवेयर बारीकियों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डा. नीरज कुमार के प्रेषित किया। उन्होंने सॉफ्टवेयर सीखने के साथ उस पर नियमित रूप से अभ्यास को भी जरूरी बताया। कार्यशाला में सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से डा. नीरज कुमार, डा. रणवीर सिंह, डा. अभिषेक जिंदल, डा. विकास कुमार, दीपक राणा, सनी तंवर, एवं इंजीनियर सुधीर कुमार तथा विद्यार्थी आयोजन दल से धर्मेंद्र कुशवाहा, सैय्यद अतयब, मो. ज़ैदी, कुश सिन्हा मौजूद रहे।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

5 Mar 2022

केंदीय विवि में ओपन हाउस चर्चा आयोजित

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से डिमांड और चुनौतियां बढ़ेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 नेशनल मिशन फोर मेंटरिंग (एनएमएम) के महत्व पर एक ओपन हाउस चर्चा का आयोजन किया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर मुख्य अतिथि तथा जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी विजेंद्र श्योराण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अपने संबोधन में उच्च शिक्षा के साथ-साथ उत्तम शिक्षा उपलब्ध करवाने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में परिवर्तन आएगा। साथ ही डिमांड और चुनौतियां भी बढ़ेंगी। ऐसी स्थिति से निपटने में नेशनल मिशन फॉर मेनंटरिंग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने कार्यक्रम के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। राष्ट्रीय शैक्षणिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के प्रो. पीके मिश्रा ने परामर्शग्राही को अच्छे परामर्शदाता चुनने के विभिन्न मानदंडो पर प्रकाश डाला। एनसीटीई की सदस्य सचिव सुश्री केसांग शेरपा ने चर्चा की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। एनएमएम की समिति सदस्य डॉ. अमिना चरनिया ने एनएमएम की ब्लू बुक के बारे में जानकारी दी तथा एनसीटीई के विनय आर संजीवी तथा सोविक बंदोपाध्याय ने भी विषय से संबंधित अपने विचार रखे। पैनलिस्ट एनसीटीई के पूर्व उपाध्यक्ष व डीईपी-एसएसए, स्कूल ऑफ एजुकेशन, इग्नू, नई दिल्ली के प्रो. एसवीएस. चौधरी, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विवि, हिसार की प्रो. वंदना पुनिया, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व शैक्षणिक अधिष्ठाता, प्रो. संजीव कुमार, एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा की डॉ. प्रियंका सिंह निरंजन, एनसीईआरटी, नई दिल्ली के सेवानिवृत्त प्रो. एसके यादव ने भी ने शिक्षा में परामर्श के महत्व प्रकाश डाला।

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विवि में कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए चांसलर प्रो. टंकेश्वर। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

5 Mar 2022

केंद्रीय विवि में स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर आधारित कार्यशाला शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने एसएपी 2000 सॉफ्टवेयर के महत्व पर प्रकाश डाला

विद्यार्थियों को शिक्षा क्षेत्र के आधुनिक कौशल में उत्तम तरीके से सक्षम बनाने की कड़ी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विश्व प्रतिष्ठित सीएसआई कंपनी के एसएपी 2000 सॉफ्टवेयर पर चार मार्च से छह मार्च तक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने वर्तमान समय में राष्ट्रीय व अंतर राष्ट्रीय स्तर पर इस सॉफ्टवेयर की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सभी को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। बीटेक सिविल इंजीनियरिंग तथा एमटेक स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग के विद्यार्थी एवं शोधार्थी के लिए आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन के मौके पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विकास गर्ग ने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को नवाचार के लिए नई तकनीक सीखने की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन डॉ. फूल सिंह ने इस सॉफ्टवेयर की उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की।

अनिल धीमान ने सॉफ्टवेयर की उपयोगिता से संबंधित विभिन्न पक्षों से अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित डॉ. नीरज द्वारा किया गया। उन्होंने सॉफ्टवेयर सीखने के साथ उस पर नियमित रूप से अभ्यास को भी जरूरी बताया। कार्यशाला में सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से डॉ. नीरज, डॉ. रणवीर सिंह, डॉ. अभिषेक जिंदल, डॉ. विकास, इंजीनियर दीपक राणा, इंजीनियर सनी तंवर आदि मौजूद रहे।

हकेंवि में प्रोबायोटिक्स विषय पर कार्यशाला शुरू

महेंद्रगढ़ | केंद्रीय विश्वविद्यलाय में सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की ओर सोमवार को प्रोबायोटिक्स विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। प्रोबायोटिक एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिरक्षा बनाए रखने में भारत के पारम्परिक खाद्य पदार्थों के महत्त्व पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. जेबी प्रजापति व डॉ. प्रकाश हलामी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. प्रजापति ने शोध विद्वानों को प्रोबायोटिक विज्ञान में अनुसंधान के विभिन्न तरीकों से अवगत कराया। इसी क्रम में डॉ. प्रकाश हलामी ने प्रोबायोटिक्स संस्कृतियों की विशिष्ट गतिविधियों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र कुमार ने दिया। कार्यशाला में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. अविजीत प्रमाणिक, डॉ. पूजा यादव, डॉ. विनोद यादव व डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी सहित उद्घाटन सत्र में विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अनुसंधान की गुणवत्ता पर दिया जोर

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुसंधान में गुणवत्ता पर विशेष जोर देती है। आज के समय में अनुसंधान में विभिन्न सॉफ्टवेयर का उपयोग जिस तरह से बढ़ा है, उसे देखते हुए हम कह सकते हैं कि आने वाले समय में आधुनिक बदलावों के बीच अनुसंधान की गुणवत्ता में उल्लेखनीय परिवर्तन नजर जाएंगे। युवा पीढ़ी के लिए आवश्यक है कि वे इन बदलावों को समझें और उनके अनुरूप शोध व अनुसंधान कार्य को पूर्ण करें। ये विचार हकेंवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति ने सोमवार को विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ द्वारा आयोजित 7 दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किए। इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ के रूप में जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय के प्रो. एस. श्रीनिवास राव उपस्थित रहे। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अब ऐसे अच्छे शोध कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिनका संबंध सामाजिक विषयों व समाज के समक्ष उपस्थित चुनौतियों से हो। कुलपति ने अपने संबोधन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समाज व जनउपयोगी शोध कार्यों की महत्ता पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को इसके लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. एस. श्रीनिवास राव ने शैक्षणिक अनुसंधानों के संदर्भ में आंकड़ों के महत्त्व पर प्रकाश डाला और साथ ही साथ अनुसंधान में धैर्य, भागीदारी व अवलोकन केंद्रित दृष्टिकोण के महत्त्व से अवगत कराया। कार्यशाला में सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल, सहायक आचार्य डॉ. रेनु यादव सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 72 विद्वान व शिक्षक ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

प्रतिरक्षा बनाए रखने में भारतीय खाद्य पदार्थों का महत्व : टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा सोमवार को प्रोबायोटिक्स विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। प्रोबायोटिक एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिरक्षा बनाए रखने में भारत के पारम्परिक खाद्य पदार्थों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में वर्गीज कुरियन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आणंद गुजरात

प्रो. टंकेश्वर कुमार ● जागरण

के अध्यक्ष डा. जेबी प्रजापति तथा सीएसआईआर-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर के डा. प्रकाश हलामी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

डा. जेबी प्रजापति ने प्रतिरक्षा बनाए रखने में प्रोबायोटिक्स के महत्व पर प्रकाश डाला और शोध विद्वानों को प्रोबायोटिक विज्ञान में अनुसंधान के विभिन्न तरीकों से अवगत कराया। इसी क्रम में डा. प्रकाश हलामी ने प्रोबायोटिक्स संस्कृतियों की विशिष्ट गतिविधियों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डा. सुरेंद्र कुमार ने दिया। कार्यशाला में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डा. अंतरेश कुमार, डा. अविजीत प्रमाणिक, डा. पूजा यादव, डा. विनोद यादव व डा. जितेंद्र कुमार सैनी सहित उद्घाटन सत्र में विभिन्न प्रतिभागी आनलाइन शामिल हुए।

CUH FIGURES AMONG 30 INSTITUTIONS

Mahendragarh: The Union Ministry of Culture has included the department of history and archaeology at Central University of Haryana (CUH) among 30 such institutions that engages in various activities related to archeology and heritage. The institutions will contribute in the promotion of archeology and heritage. Vice-Chancellor Prof Tankeswar Kumar said it was a great achievement for the university.

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर व वेबिनार व विशेष चर्चा हुई

हर मोर्चे पर पुरुषों से आगे हैं महिलाएं : कुलपति

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

महिलाएं मानव जाति के विकास और उसके उत्थान में आरंभ से ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती आई हैं। अपने आसपास नजर डालने पर हम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि महिलाएं किस तरह से आज के दौर में घर, परिवार व कार्यक्षेत्र में संतुलन बनाते हुए पुरुषों की अपेक्षा उल्लेखनीय उपलब्धियों को प्राप्त कर रही हैं।

ये विचार हकेंवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की ओर से विशेष चर्चा का आयोजन किया गया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में महिला दिवस के अवसर पर वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महज 16 वर्ष की उम्र में एवरेस्ट फतेह करने वाली शिवांगी पाठक उपस्थित रहीं। प्रातः आयोजित वेबिनार में विशेषज्ञ मुख्य अतिथि शिवांगी पाठक ने अपने संघर्ष के पलों को प्रतिभागियों से साझा किया और बताया कि उन्होंने किस तरह से एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ाई का सफर तय किया। डॉ. पायल चंदेल ने पेनल चर्चा का मॉडरेशन किया जबकि मंच का संचालन डॉ. स्वाति ने किया। इस कार्यक्रम में प्रकोष्ठ की सदस्य सुश्री रेनु, डॉ. अनीता सहित प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने विशेष भूमिका निभाई जबकि वेबिनार के आयोजन में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के डॉ. सुरेंद्र कुमार, विभाग प्रभारी आलेख एस. नायक, डॉ. भारती बत्रा की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही।

हर मोर्चे पर पुरुषों से आगे हैं महिलाएं : प्रो. टंकेश्वर कुमार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : महिलाएं मानव जाति के विकास और उसके उत्थान में आरंभ से ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती आई हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महज 16 वर्ष की उम्र में एवरेस्ट फतेह करने वाली शिवांगी पाठक उपस्थित रहीं।शिवांगी ने बताया कि किस तरह से एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ाई का सफर तय किया। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि के लिए महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व हरियाणा सरकार की ओर से मिले सम्मान व प्रोत्साहन का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 12 शोधार्थियों ने लैंगिक समानता पर अपने विचार रखें। डा. पायल चंदेल ने पैनल चर्चा का मोडरेशन किया, जबकि मंच का संचालन डा. स्वाति ने किया। इस कार्यक्रम में प्रकोष्ठ की सदस्य सुश्री रेनु, डा. अनीता सहित प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनु यादव ने विशेष भूमिका निभाई जबकि वेबिनार के आयोजन में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के डा. सुरेंद्र कुमार, विभाग प्रभारी आलेख एस. नायक, डा. भारती बत्रा की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

केक काटकर महिला दिवस मनाते हुए ● सौ. संगठन

एक महिला पूरी पीढ़ी को शिक्षित करती है: राव

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: एक महिला को शिक्षित करने का मतलब है पूरी पीढ़ी को शिक्षक करना। देश की हर बेटी को अच्छी शिक्षा मिले इसके लिए हम सब को मिलकर प्रयास करने हैं। उक्त विचार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डा. पवित्रा राव ने उपस्थित महिला शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस दौरान ग्रुप के फाउंडर डायरेक्टर डा. ओपी यादव, सीईओ इंजी मनीष राव, प्राचार्य सुभाष यादव सहित आरपीएस परिवार के अन्य सभी सदस्यों ने महिला दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर केक काटकर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मिली प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी रिलायंस रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों बधाई दी है। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और विभाग के शिक्षकों द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक शिक्षा का परिणाम प्लेसमेंट के रूप में देखने को मिल रहा है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक डॉ. पवन कुमार मौर्या ने बताया कि लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के कुनाल, अंकित यादव, कुलदीप, आनंद व अंकित कुमार को रोजगार के अवसर प्राप्त हुआ है।

हकेंवि के विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट

प्लेसमेंट पाने वाले हकेंवि के विद्यार्थी कुलपति प्रो. टंकेश्वर व शिक्षकों के साथ● हकेंवि

संस, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी रिलायंस रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर हर्ष जाहिर करते हुए कहा कि हर वर्ष की तरह एक बार फिर देश की शीर्ष कंपनियां हमारे विद्यार्थियों के उत्कृष्ट कौशल को देखते हुए उन्हें नौकरी की पेशकश कर रहीं हैं। चयन इस बात का परिचायक है। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित बीवाक-रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम गुणवत्तापूर्ण व रोजगार परक है, जो स्नातकों की रोजगार क्षमता व कौशल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। साथ में उन्होंने यह भी कहा कि हमारे विद्यार्थियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और विभाग के शिक्षकों द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक शिक्षा का परिणाम इस प्लेसमेंट के रूप में देखने को मिल रहा है। डा. पवन कुमार मौर्या ने बताया कि बीवाक के कुनाल, अंकित यादव, कुलदीप, आनंद व अंकित को अवसर प्राप्त हुए हैं।

हकेंवि के विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थी के साथ कुलपति व शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कम्पनी रिलायंस रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर कहा कि हर वर्ष की तरह एक बार फिर देश की शीर्ष कंपनियां हमारे विद्यार्थियों के उत्कृष्ट कौशल को देखते हुए उन्हें नौकरी की पेशकश कर रहीं हैं। इन विद्यार्थियों का चयन इस बात का परिचायक है। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित बी.वॉक.रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम गुणवत्तापूर्ण व रोजगार परक है, जो स्नातकों की रोजगार क्षमता व कौशल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। साथ में उन्होंने यह भी कहा कि हमारे विद्यार्थियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और विभाग के शिक्षकों द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक शिक्षा का परिणाम इस प्लेसमेंट के रूप में देखने को मिल रहा है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक डा. पवन कुमार मौर्या ने बताया कि बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के कुनाल, अंकित यादव, कुलदीप, आनंद व अंकित कुमार को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डा. सुयश मिश्रा ने कहा कि आने वाले वर्षों में विभाग अनेक औद्योगिक संस्थानों के साथ

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Students of CUH got placement

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 10-03-2022**

हकेंवि के विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट

प्लेसमेंट पाने वाले हकेंवि के विद्यार्थी कुलपति प्रो. टंकेश्वर व शिक्षकों के साथ ● हकेंवि

संस, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी रिलायंस रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर हर्ष जाहिर करते हुए कहा कि हर वर्ष की तरह एक बार फिर देश की शीर्ष कंपनियां हमारे विद्यार्थियों के उत्कृष्ट कौशल को देखते हुए उन्हें नौकरी की पेशकश कर रहीं हैं। चयन इस बात का परिचायक है। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित बीवाक-रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम गुणवत्तापूर्ण व रोजगार परक है, जो स्नातकों की रोजगार क्षमता व कौशल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। साथ में उन्होंने यह भी कहा कि हमारे विद्यार्थियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और विभाग के शिक्षकों द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक शिक्षा का परिणाम इस प्लेसमेंट के रूप में देखने को मिल रहा है। डा. पवन कुमार मौर्या ने बताया कि बीवाक के कुनाल, अंकित यादव, कुलदीप, आनंद व अंकित को अवसर प्राप्त हुए हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 10-03-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मिली प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी रिलायंस रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों बधाई दी है। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और विभाग के शिक्षकों द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक शिक्षा का परिणाम प्लेसमेंट के रूप में देखने को मिल रहा है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक डॉ. पवन कुमार मौर्या ने बताया कि लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के कुनाल, अंकित यादव, कुलदीप, आनंद व अंकित कुमार को रोजगार के अवसर प्राप्त हुआ है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 10-03-2022**

हकेंवि के विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कम्पनी रिलायंस रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर कहा कि हर वर्ष की तरह एक बार फिर देश की शीर्ष कंपनियां हमारे विद्यार्थियों के उत्कृष्ट कौशल को देखते हुए उन्हें नौकरी की पेशकश कर रहीं हैं। इन विद्यार्थियों का चयन इस बात का परिचायक है। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित बी.वॉक.रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का

महेंद्रगढ़। प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थी के साथ कुलपति व शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

पाठ्यक्रम गुणवत्तापूर्ण व रोजगार परक है, जो स्नातकों की रोजगार क्षमता व कौशल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। साथ में उन्होंने यह भी कहा कि हमारे विद्यार्थियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और विभाग के शिक्षकों द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक शिक्षा का परिणाम इस प्लेसमेंट के रूप में देखने को मिल रहा है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक डा. पवन कुमार मौर्या ने बताया कि बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के कुनाल, अंकित यादव, कुलदीप, आनंद व अंकित कुमार को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डा. सुयश मिश्रा ने कहा कि आने वाले वर्षों में विभाग अनेक औद्योगिक संस्थानों के साथ

एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सेवा स्वयंसेवक के व्यवहार में झलकती है। राष्ट्र की सेवा श्रेष्ठ सेवा है। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से स्वयंसेवक न केवल व्यक्तिगत विकास करता है, बल्कि अपने गांव, राज्य, समाज, राष्ट्र के उत्थान में भी अमूल्य योगदान देता है। शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवकों को राज्य व राष्ट्रीय स्तरीय शिविरों में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि एनएसएस युवाओं के चरित्र निर्माण में अहम भूमिका निभाती है। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि 15 मार्च तक चलने वाले इस शिविर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि एनएसएस शिविर की थीम आत्मनिर्भर भारत रखी गई है। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने केंद्र सरकार सरकार द्वारा आयोजित यूथ पार्लियामेंट कार्यक्रम को भी सुना। संवाद

समाजशास्त्र विभाग में सात दिवसीय कार्यशाला

'शोध की स्पष्ट सोच विकसित करना ही कार्यशाला का उद्देश्य'

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन चल रहा है। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा डूइंग सोशियोलॉजिकल रिसर्चः एन इंटरडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव विषय पर 15 मार्च तक चलने वाली इस कार्यशाला के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को अनुसंधान प्रक्रिया से अपडेट होने व शैक्षणिक क्षेत्र में गुणवत्ता लाने के साथ शोध कार्य की एक स्पष्ट समझ रखने के लिए प्रेरित करेगा।

समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. टीलोंगकोई ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य अनुसंधान में सुधार और उन्नयन करना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में विविध विषयों पर गहन चर्चा और गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य पत्रिकाओं में लेखों के रूप में सामग्री प्रकाशित करने के लिए शोधकर्ताओं की क्षमताओं को तैयार करना भी है। समाजशास्त्र की सहायक आचार्य सुश्री तन्वी भाटी ने कहा कि विभाग अंतःविषय दृष्टिकोण के साथ मौलिक सामाजिक घटना के महत्वपूर्ण, अभिनव और अत्याधुनिक अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहता है।

कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सेवा स्वयंसेवक के व्यवहार में झलकती है। राष्ट्र की सेवा श्रेष्ठ सेवा है। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से स्वयंसेवक न केवल व्यक्तिगत विकास करता है, बल्कि अपने गांव, राज्य, समाज, राष्ट्र के उत्थान में भी अमूल्य योगदान देता है। शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवकों को राज्य व राष्ट्रीय स्तरीय शिविरों में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि एनएसएस युवाओं के चरित्र निर्माण में अहम भूमिका निभाती है। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि 15 मार्च तक चलने वाले इस शिविर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि एनएसएस शिविर की थीम आत्मनिर्भर भारत रखी गई है। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने केंद्र सरकार सरकार द्वारा आयोजित यूथ पार्लियामेंट कार्यक्रम को भी सुना। संवाद

हकेंवि में एनएसएस के 7 दिवसीय शिविर का हुआ शुभारंभ

एनएसएस युवाओं के चरित्र निर्माण में निभाती है अहम भूमिका : प्रो. आनंद

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि सेवा स्वयंसेवक के व्यवहार में झलकती है। राष्ट्र की सेवा श्रेष्ठ सेवा है। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से स्वयंसेवक न केवल व्यक्तिगत विकास करता है, बल्कि अपने गांव, राज्य, समाज व राष्ट्र के उत्थान में भी अमूल्य योगदान देता है। शिविर का शुभारंभ करते हुए विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि एनएसएस युवाओं के चरित्र निर्माण में अहम भूमिका निभाती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं से पहले आप जिसे हम अंग्रेजी में कहते हैं नॉट मी, बट यू के स्लोगन को अपना आदर्श वाक्य मानती है। इस योजना का काम सामाजिक मुद्दों पर कार्य करना है और समाज की जरूरतों के अनुसार एनएसएस स्वयंसेवक विकसित होते हैं। हमें सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। वही विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि 15 मार्च तक चलने वाले इस शिविर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिनमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि एनएसएस शिविर की थीम 'आत्मनिर्भर भारत' रखी गई है। इस शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवकों को राज्य व राष्ट्रीय स्तरीय शिविरों में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने भारत सरकार सरकार द्वारा आयोजित यूथ पार्लियामेंट कार्य कम को भी सुना।

गुणवत्ता से समझ बनेगी स्पष्ट : टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा डूइंग सोशियोलॉजिकल रिसर्च एन इंटरडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव विषय पर 15 मार्च तक आयोजित की जा रही इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसके माध्यम से प्रतिभागियों को अनुसंधान प्रक्रिया से अपडेट करने व शैक्षणिक क्षेत्र में गुणवत्ता लाने के साथ शोध कार्य की एक स्पष्ट समझ पैदा की जाएगी। ऐसी कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों व शोधार्थियों को बाहरी विशेषज्ञों के रूबरू होने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि कार्यशाला प्रतिभागियों में नए विचारों एवं सूचनाओं के माध्यम से उनके ज्ञान में भी इजाफा करने में सहायक होगी। कुलपति ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के लिए इस तरह के आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाजशास्त्र अनुशासन स्वयं अंतःविषय है क्योंकि इसमें इतिहास, नवाचार, प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और राजनीति के विषय शामिल हैं। इसलिए, इसका उपयोग सामाजिक नेटवर्क, सामाजिक परिवर्तन और समाज की सामाजिक संरचना को अधिक व्यापक रूप से देखने के लिए किया जा सकता है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डा. टी. लोंगकोई ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य अनुसंधान में सुधार और उन्नयन करना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में विविध विषयों पर गहन चर्चा और गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य पत्रिकाओं में लेखों के रूप में सामग्री प्रकाशित करने के लिए शोधकर्ताओं की क्षमताओं को तैयार करना भी है। समाजशास्त्र की सहायक आचार्य तन्वी भाटी ने कहा कि विभाग अंतःविषय दृष्टिकोण के साथ मौलिक सामाजिक घटना के महत्वपूर्ण, अभिनव और अत्याधुनिक अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहता है।

उन्होंने यह भी बताया कि विभाग विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों में शैक्षणिक, अनुसंधान, डिजिटल और महत्वपूर्ण आत्म-जागरूकता दक्षताओं को विकसित करने के लिए कार्यरत है। सत्र के अंत में विभाग के सहायक आचार्य डा. युद्धवीर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

11 Mar 2022

हकेवि के समाजशास्त्र विभाग में सात दिवसीय कार्यशाला

शोध को लेकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा डूइंग सोशियोलॉजिकल रिसर्चः एन इंटरडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव विषय पर 15 मार्च तक चलने वाली इस कार्यशाला के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को अनुसंधान प्रक्रिया से अपडेट होने व शैक्षणिक क्षेत्र में गुणवत्ता लाने के साथ शोध कार्य की एक स्पष्ट समझ रखने के लिए प्रेरित करेगा। आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित इस कार्यशाला में कुलपति ने कहा कि ऐसी कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों व शोधार्थियों को बाहरी विशेषज्ञों के रूबरू होने का अवसर मिलता है। उन्हें विश्वास है कि कार्यशाला प्रतिभागियों में नए विचारों एवं सूचनाओं के माध्यम से उनके ज्ञान में भी इजाफा करने में सहायक होगी। कुलपति ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के लिए इस तरह के आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया। इस मौके पर शिक्षक मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। फोटो: हरिभूमि

अनुसंधान में सुधार जरूरी

समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डा. टी. लोगकोई ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य अनुसंधान में सुधार और उन्नयन करना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में विविध विषयों पर गहन चर्चा और गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य पत्रिकाओं में लेखों के रूप में सामग्री प्रकाशित करने के लिए शोधकर्ताओं की क्षमताओं को तैयार करना भी है। समाजशास्त्र की सहायक आचार्य तन्वी भाटी ने कहा कि विभाग अंतः विषय दृष्टिकोण के साथ मौलिक सामाजिक घटना के महत्त्वपूर्ण, अभिनव और अत्याधुनिक अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहता है। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों में शैक्षणिकए अनुसंधान, डिजिटल और महत्वपूर्ण आत्म-जागरूकता दक्षताओं को विकसित करने के लिए कार्यरत है। इससे विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सहयोग मिलेगा। सत्र के अंत में विभाग के सहायक आचार्य डा. युद्धवीर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हकेंवि के समाजशास्त्र विभाग में 7 दिवसीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, 10 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 7 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा डूइंग सोशियोलॉजिकल रिसर्च: एन इंटरडिसिप्लिनरी पर्सपैक्टिव विषय पर 15 मार्च तक चलने वाली इस कार्यशाला के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को अनुसंधान प्रक्रिया से अपडेट होने व शैक्षणिक क्षेत्र में गुणवत्ता लाने के साथ शोध कार्य की एक स्पष्ट समझ रखने के लिए प्रेरित करेगा। आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित इस कार्यशाला में कुलपति ने कहा कि ऐसी कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों व शोधार्थियों को बाहरी विशेषज्ञों के रू-ब-रू होने का अवसर मिलता है।

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि कार्यशाला प्रतिभागियों में नए विचारों एवं सूचनाओं के माध्यम से उनके ज्ञान में भी इजाफा करने में सहायक होगी। कुलपति ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के लिए इस तरह के आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाजशास्त्र अनुशासन स्वयं अंत: विषय है क्योंकि इसमें इतिहास, नवाचार, प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और राजनीति के विषय शामिल हैं। इसलिए इसका उपयोग सामाजिक नैटवर्क, सामाजिक परिवर्तन और समाज की सामाजिक संरचना को अधिक व्यापक रूप से देखने के लिए किया जा सकता है। समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डा. टी. लोंगकोई ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य अनुसंधान में सुधार और उन्नयन करना है। इस कार्यशाला में विविध विषयों पर गहन चर्चा और गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य पत्रिकाओं में लेखों के रूप में सामग्री प्रकाशित करने के लिए शोधकर्त्ताओं की क्षमताओं को तैयार करना भी है। समाजशास्त्र की सहायक आचार्य सुश्री तन्वी भाटी ने कहा कि विभाग अंत: विषय दृष्टिकोण के साथ मौलिक सामाजिक घटना के महत्वपूर्ण, अभिनव और अत्याधुनिक अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहता है। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों में शैक्षणिक, अनुसंधान, डिजिटल और महत्वपूर्ण आत्म जागरूकता दक्षताओं को विकसित करने के लिए कार्यरत है।

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्त्व : टंकेश्वर कुमार

नारनौल, 12 मार्च (विजय कौशिक)। राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्त्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहाँ आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीन काल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था, वहीं उस मुश्किल समय में महामारी से बचाव के साथ-साथ भारत ने इससे बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया। आज भारत की इस उपलब्धि से लाखों, करोड़ो लोगों का जीवन बचाने के साथ-साथ इससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम यानि संपूर्ण धरती ही अपना परिवार है और परिवार की समृद्धि के लिए नवाचार करना भारतीय संस्कृति का नियम रहा है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'अविष्कार से नवाचार तक' में अपने संबोधन में व्यक्त किए। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के नवाचार एवं उद्धमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने अपने वक्तव्य में अविष्कार और नवाचार के महत्त्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिस प्रकार भारत में रोजगार की उपलब्धता को लेकर लगातार प्रयास जारी है उसे देखते हुए अब हमारे युवकों को उद्यमिता की तरफ ले जाना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. शर्मा ने स्टार्टअप के विषय पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ दीपक शर्मा ने भी नवाचार की महत्ता पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को इसके लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय में इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता की बातों को सार्थक बताते हुए कहा कि कुलपति महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय का इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय में

कार्यक्रम

हकेंविवि में 'आविष्कार से नवाचार' तक कार्यक्रम का किया आयोजन

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्व : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्व रखता है जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहां आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार, रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। देश में प्राचीन काल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है।

मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। संवाद

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम आविष्कार से नवाचार तक में व्यक्त किए। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के नवाचार एवं उद्धमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कुलपति ने कहा कि देश ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था वहीं उस मुश्किल समय में देश ने इससे बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने कहा कि वर्तमान में जिस प्रकार देश में रोजगार की उपलब्धता को लेकर लगातार प्रयास जारी है उसे देखते हुए अब हमारे युवकों को उद्यमिता की तरफ ले जाना अत्यंत आवश्यक है। स्टार्टअप के विषय पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ दीपक शर्मा ने भी नवाचार की महत्ता पर प्रकाश डाला। इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय का इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है।

कार्यक्रम के दौरान प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. मारुति, डॉ. रमन, डॉ. मीनू ठाकुर, सुनील अग्रवाल, प्रदीप चैहान सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर महेंद्रगढ़ भास्कर 13-03-2022

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्त्व : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्त्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहां आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीनकाल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। ये विचार हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं इन्कयूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'अविष्कार से नवाचार तक' में अपने संबोधन में व्यक्त किए।

इस अवसर पर कुवि के नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने अपने वक्तव्य में अविष्कार और नवाचार के महत्त्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिस प्रकार भारत में रोजगार की उपलब्धता को लेकर लगातार प्रयास जारी है उसे देखते हुए अब हमारे युवकों को उद्यमिता की तरफ ले जाना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. शर्मा ने स्टार्टअप के विषय पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. मारुति, डॉ. रमन, डॉ. मीनू ठाकुर, सुनील अग्रवाल, प्रदीप चौहान सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शैक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्व : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहां आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीन काल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था, वहीं उस मुश्किल समय में महामारी से बचाव के साथ-साथ भारत ने इससे बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया। आज भारत की इस उपलब्धि से करोड़ों लोगों का जीवन बचाने के साथ-साथ इससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम यानि संपूर्ण धरती ही अपना परिवार है और परिवार की समृद्धि के लिए नवाचार करना भारतीय संस्कृति का नियम रहा है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं ईक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'अविष्कार से नवाचार तक' में अपने संबोधन में व्यक्त किए। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विवि, कुरुक्षेत्र के नवाचार एवं उद्धमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने अपने वक्तव्य में अविष्कार और नवाचार के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। वर्तमान में जिस प्रकार भारत में रोजगार की उपलब्धता को लेकर लगातार प्रयास जारी है उसे देखते हुए अब हमारे युवकों को उद्यमिता की तरफ ले जाना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. शर्मा ने स्टार्टअप के विषय पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ दीपक शर्मा ने भी नवाचार की महत्ता पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को इसके लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम एवं विवि में इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता की बातों को सार्थक बताया। इसके लिए विवि में व्याख्यान, शोध कार्यशालाएं, विज्ञान प्रदर्शनी एवं विषय विशेषज्ञ चर्चाओं का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इससे हमारे विद्यार्थी और शोधार्थी ऐसी तकनीक विकसित करें जिससे देश में रोजगार के साधन विकसित हों और भारत आत्मनिर्भर बने।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ●

हकेवि में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ● सौ. हकेवि

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
13 Mar 2022

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्व: प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़। राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहां आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीनकाल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था, वहीं उस मुश्किल समय में महामारी से बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया। आज भारत की इस उपलब्धि से लाखों-करोड़ों लोगों का जीवन बचाने के साथ-साथ इससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम यानि संपूर्ण धरती ही अपना परिवार है और परिवार की समृद्धि के लिए नवाचार करना भारतीय संस्कृति का नियम रहा है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Lecture on 'From Invention to Innovation'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 13-03-2022**

कार्यक्रम

हकेंविवि में 'आविष्कार से नवाचार' तक कार्यक्रम का किया आयोजन

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्व : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्व रखता है जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहां आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार, रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। देश में प्राचीन काल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा

मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। संवाद

आयोजित कार्यक्रम आविष्कार से नवाचार तक में व्यक्त किए। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के नवाचार एवं उद्धमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कुलपति ने कहा कि देश ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था वहीं उस मुश्किल समय में देश ने इससे बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने कहा कि वर्तमान में जिस प्रकार देश में रोजगार की उपलब्धता को लेकर लगातार प्रयास जारी है उसे देखते हुए अब हमारे युवकों को उद्यमिता की तरफ ले जाना अत्यंत आवश्यक है। स्टार्टअप के विषय पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ दीपक शर्मा ने भी नवाचार की महत्ता पर प्रकाश डाला। इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय का इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है।

कार्यक्रम के दौरान प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. मारुति, डॉ. रमन, डॉ. मीनू ठाकुर, सुनील अग्रवाल, प्रदीप चैहान सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 13-03-2022**

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्त्व : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्त्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहां आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीनकाल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। ये विचार हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं इन्कयूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'अविष्कार से नवाचार तक' में अपने संबोधन में व्यक्त किए।

इस अवसर पर कुवि के नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने अपने वक्तव्य में अविष्कार और नवाचार के महत्त्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिस प्रकार भारत में रोजगार की उपलब्धता को लेकर लगातार प्रयास जारी है उसे देखते हुए अब हमारे युवकों को उद्यमिता की तरफ ले जाना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. शर्मा ने स्टार्टअप के विषय पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. मारुति, डॉ. रमन, डॉ. मीनू ठाकुर, सुनील अग्रवाल, प्रदीप चौहान सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शैक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Adhikar News **Date: 14-03-2022**

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्त्व : टंकेश्वर कुमार

नारनौल, 12 मार्च (विजय कौशिक)। राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्त्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहाँ आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीन काल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था, वहीं उस मुश्किल समय में महामारी से बचाव के साथ-साथ भारत ने इससे बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया। आज भारत की इस उपलब्धि से लाखों, करोड़ो लोगों का जीवन बचाने के साथ-साथ इससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम यानि संपूर्ण धरती ही अपना परिवार है और परिवार की समृद्धि के लिए नवाचार करना भारतीय संस्कृति का नियम रहा है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'अविष्कार से नवाचार तक' में अपने संबोधन में व्यक्त किए। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के नवाचार एवं उद्धमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने अपने वक्तव्य में अविष्कार और नवाचार के महत्त्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिस प्रकार भारत में रोजगार की उपलब्धता को लेकर लगातार प्रयास जारी है उसे देखते हुए अब हमारे युवकों को उद्यमिता की तरफ ले जाना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. शर्मा ने स्टार्टअप के विषय पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ दीपक शर्मा ने भी नवाचार की महत्ता पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को इसके लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय में इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता की बातों को सार्थक बताते हुए कहा कि कुलपति महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय का इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय में

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-03-2022**

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्व : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहां आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीन काल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था, वहीं उस मुश्किल समय में महामारी से बचाव के साथ-साथ भारत ने इससे बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया। आज भारत की इस उपलब्धि से करोड़ों लोगों का जीवन बचाने के साथ-साथ इससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम यानि संपूर्ण धरती ही अपना परिवार है और परिवार की समृद्धि के लिए नवाचार करना भारतीय संस्कृति का नियम रहा है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'अविष्कार से नवाचार तक' में अपने संबोधन में व्यक्त किए। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विवि, कुरुक्षेत्र के नवाचार एवं उद्धमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने अपने वक्तव्य में अविष्कार और नवाचार के महत्त्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। वर्तमान में जिस प्रकार भारत में रोजगार की उपलब्धता को लेकर लगातार प्रयास जारी है उसे देखते हुए अब हमारे युवकों को उद्यमिता की तरफ ले जाना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. शर्मा ने स्टार्टअप के विषय पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ दीपक शर्मा ने भी नवाचार की महत्ता पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को इसके लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम एवं विवि में इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता की बातों को सार्थक बताया। इसके लिए विवि में व्याख्यान, शोध कार्यशालाएं, विज्ञान प्रदर्शनी एवं विषय विशेषज्ञ चर्चाओं का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इससे हमारे विद्यार्थी और शोधार्थी ऐसी तकनीक विकसित करें जिससे देश में रोजगार के साधन विकसित हों और भारत आत्मनिर्भर बने।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ●

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ● सौ. हकेंवि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 14-03-2022**

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्वः प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़। राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहां आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीनकाल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था, वहीं उस मुश्किल समय में महामारी से बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया। आज भारत की इस उपलब्धि से लाखों-करोड़ों लोगों का जीवन बचाने के साथ-साथ इससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम यानि संपूर्ण धरती ही अपना परिवार है और परिवार की समृद्धि के लिए नवाचार करना भारतीय संस्कृति का नियम रहा है।

हकेंवि में आज से होगा ज्ञान कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दो सप्ताह तक चलने वाला यह यह ऑनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

ज्ञान कोर्स की समन्वयक डॉ. सुनीता तंवर ने बताया कि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय।

एवं प्रबंधन पीठ एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में ड्यूस्टो बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में शामिल होंगे। कोर्स का लाइव प्रसारण शाम 4 से 6 बजे तक होगा।

डॉ. तंवर ने बताया कि इस कोर्स से संबंधित सभी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

नुक्कड़ कार्यक्रमों के माध्यम से किया जागरूक

महेंद्रगढ़। गांव बसई में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही गांव के सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक कर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने अपने संदेश में दर्शाया की गांव को साफ-सुथरा रखने में हम सभी की भागीदारी जरूरी है। सभी की मदद से ही गांव को स्वच्छ रखा जा सकता है। जिला एड्स कंट्रोल सोसाइटी से रविंद्र कुमार ने एड्स जागरूकता पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि एचआईवी संक्रमित के साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं करना चाहिए। कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि किसी का जीवन बचाने से बढ़कर कोई पुण्य का कार्य नहीं हो सकता। हमारी थोड़ी मदद से किसी परिवार में खुशी वापिस लौट सकती है। संवाद

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर आज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के पांचवे दिन की शुरुआत योग कार्यक्रम के साथ हुई। वहीं यूथ रेड क्रॉस व रैड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का रैडक्रॉस सोसायटी दिल्ली द्वारा सोमवार को आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान को महादान है। हम रक्तदान करके किसी का जीवन बचा सकते हैं। इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। संवाद

अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका अहम

हकेंवि में हुआ गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन की ओर से गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर आयोजित साप्ताहिक कार्यशाला का समापन हो गया। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए।

उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुनः स्थापित कर पाएंगे।

हकेंवि में कार्यक्रम के समापन सत्र में सम्मिलित प्रो. कुलपति टंकेश्वर व अन्य। संवाद

समापन समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय कुल गीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई।

उन्होंने कहा कि कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में भाग लिया और 75 पंजीकृत प्रतिभागियों ने देश भर में ऑनलाइन व ऑफलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेणु यादव ने कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हकेंवि में 'ज्ञान' कार्यक्रम आज

व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर करेंगे मंथन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू हो रहा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरु हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दो सप्ताह तक चलने वाला यह ऑनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

इस 'ज्ञान' कोर्स की समन्वयक डॉ. सुनीता तंवर ने बताया कि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन एवं प्रबंधन पीठ एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में डयूस्टो बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस कोर्स का लाइव प्रसारण शाम 4 बजे से 6 बजे तक होगा। डॉ. तंवर ने बताया कि इस कोर्स से संबंधित सभी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

हकेंवि में रक्तदान शिविर आज

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चल रहे 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के पांचवें दिन की शुरूआत योग कार्यक्रम के साथ हुई। वही आज यूथ रेडक्रॉस व रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का रेडक्रॉस सोसायटी दिल्ली के सौजन्य से आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हम रक्तदान करके किसी का जीवन बचा सकते हैं। इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान अवश्य करना चाहिए।

सामाजिक संदर्भों की खोज में गुणात्मक अनुसंधान सहायक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में आयोजित कार्याशाला के समापन पर सम्मिलित कुलसचिव व प्रतिभागी।

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस दौरान कुलपति ने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है।

आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रही। कार्याशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो. श्रीनिवास राव जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, प्रो. लतिका शर्मा, पंजाब विश्वविद्यालय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. एलेक्स अखुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ. सुरेश जीएस जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह पंजाब विश्वविद्यालय, डॉ. हबीबुल्लाह शाह कश्मीर विश्वविद्यालयय, प्रो. पंकज अरोड़ा शिक्षा विभाग (सीआईई), प्रो. सीजे सोनोवाल सेंटर फोर फैमिली एंड जनरेशंस, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डीआर गोयल बड़ौदा विश्वविद्यालय, प्रो. दिशा नवानी सेंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान मुम्बई के नाम प्रमुख रहे। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हरियाणा केंद्रीय विवि में 'ज्ञान' कार्यक्रम आज से

स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में रहेंगे उपस्थित, व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीट्यूट फार एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू हो रहा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दो सप्ताह तक चलने वाला यह यह आनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस 'ज्ञान' कोर्स की समन्वयक डा. सुनीता तंवर ने बताया कि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन एवं प्रबंधन पीठ एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में ड्यूस्टो बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस कोर्स का लाइव प्रसारण शाम चार बजे से छह बजे तक होगा। डा. तंवर ने बताया कि इस कोर्स से संबंधित सभी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

स्वयंसेवकों ने निकाली जागरूकता रैली

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के पांचवें दिन की शुरुआत योग कार्यक्रम के साथ हुई। वही आज यूथ रेडक्रॉस व रैड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का रेडक्रास सोसायटी दिल्ली के सौजन्य से आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि रक्तदान को महादान कहा जाता है, क्योंकि ये जीवन प्रदान करने वाली गतिविधि है। आपके रक्त का हर कतरा किसी के जीवन का स्रोत बन सकता है। हम रक्तदान करके किसी का जीवन बचा सकते हैं। इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। वही पांचवें दिन गांव बसई में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही गांव के सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक कर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुनः स्थापित कर पाएंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया । समापन समारोह की शुरुआत विवि कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल आफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई। कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन

हरियाणा के केंद्रीय विवि के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने आफलाइन व आनलाइन मोड में भाग लिया और 75 पंजीकृत प्रतिभागियों ने देश भर में आनलाइन व आफलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया। विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सेंटर फार एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू, प्रो. लतिका शर्मा, प्रोफेसर, पंजाब विवि प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विवि डा. एलेक्स अखुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डा. सुरेश बाबू जी.एस., जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह, पंजाब विवि डा. हबीबुल्लाह शाह, कश्मीर विवि प्रो. पंकज अरोड़ा, शिक्षा विभाग (सीआईई), दिल्ली विवि, प्रो. सी.जे. सोनोवाल, सेंटर फोर फैमिली एंड जनरेशंस, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डी आर गोयल, बड़ौदा विवि, और प्रो. दिशा नवानी, सेंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई के नाम प्रमुख रहे। कार्यशाला के समन्वयक डा. आरती यादव, प्रो. प्रमोद कुमार, डा. दिनेश चहल, डा. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

'GIAN' Programme on Strategic Foresight and Innovation: Megatrends that reshape our world

Newspaper: Amar Ujala **Date: 14-03-2022**

हकेंवि में आज से होगा ज्ञान कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दो सप्ताह तक चलने वाला यह यह ऑनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

ज्ञान कोर्स की समन्वयक डॉ. सुनीता तंवर ने बताया कि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन एवं प्रबंधन पीठ एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में ड्यूस्टो बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में शामिल होंगे। कोर्स का लाइव प्रसारण शाम 4 से 6 बजे तक होगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय।

डॉ. तंवर ने बताया कि इस कोर्स से संबंधित सभी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

हकेंवि में 'ज्ञान' कार्यक्रम आज

व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर करेंगे मंथन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू हो रहा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरु हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दो सप्ताह तक चलने वाला यह ऑनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

इस 'ज्ञान' कोर्स की समन्वयक डॉ. सुनीता तंवर ने बताया कि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन एवं प्रबंधन पीठ एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में डयूस्टो बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस कोर्स का लाइव प्रसारण शाम 4 बजे से 6 बजे तक होगा। डॉ. तंवर ने बताया कि इस कोर्स से संबंधित सभी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-03-2022**

हरियाणा केंद्रीय विवि में 'ज्ञान' कार्यक्रम आज से

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीट्यूट फार एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू हो रहा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दो सप्ताह तक चलने वाला यह यह आनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस 'ज्ञान' कोर्स की

स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में रहेंगे उपस्थित, व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श

समन्वयक डा. सुनीता तंवर ने बताया कि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन एवं प्रबंधन पीठ एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में ड्यूस्टों बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस कोर्स का लाइव प्रसारण शाम चार बजे से छह बजे तक होगा। डा. तंवर ने बताया कि इस कोर्स से संबंधित सभी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 14-03-2022**

हरियाणा केंद्रीय विवि में ज्ञान कार्यक्रम आज से

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू हो रहा है। केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दो सप्ताह तक चलने वाला ऑनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। डॉ. सुनीता तंवर ने बताया कि कार्यक्रम में डयूस्टों बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 14-03-2022**

हकेंवि में 'ज्ञान' कार्यक्रम आज से

स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में रहेंगे उपस्थित

महेंद्रगढ़, 13 मार्च (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीच्यूट फॉर एकैडमिक नैटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू हो रहा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। 2 सप्ताह तक चलने वाला यह यह ऑनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

इस 'ज्ञान' कोर्स की समन्वयक डा. सुनीता तंवर ने बताया कि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन एवं प्रबंधन पीठ एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में डयूस्टों बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस कोर्स का लाइव प्रसारण शाम 4 से 6 बजे तक होगा।

डॉ. तंवर ने बताया कि इस कोर्स से संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

हरियाणा केंद्रीय विवि में ज्ञान कार्यक्रम आज से

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू हो रहा है। केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दो सप्ताह तक चलने वाला ऑनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। डॉ. सुनीता तंवर ने बताया कि कार्यक्रम में डयूस्टों बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे।

बसई में निकाली स्वच्छता जागरूकता रैली

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के पांचवें दिन की शुरूआत योग कार्यक्रम के साथ हुई। वहीं बसई में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान गांव के सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक कर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इसके बाद जिला एड्स कंट्रोल सोसायटी से रविंद्र कुमार ने एड्स जागरूकता के प्रति व्याख्यान दिया।

हकेंवि में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका बताई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुन स्थापित कर पायेंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया । समापन समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई, जिसमें संसाधन व्यक्तियों के प्रदर्शन और गतिविधि को संक्षेप में बताया गया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में भाग लिया और 75 पंजीकृत प्रतिभागियों ने देशभर में ऑनलाइन व ऑफलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया।

कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद, डॉ. दिनेश चहल व डॉ. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विवि में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो. श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू, प्रो. लतिका शर्मा, पंजाब विश्वविद्यालय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. एलेक्स अक्षुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ. सुरेश बाबू जीएस, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज जेएनयू नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह पंजाब विश्वविद्यालय, डॉ. हबीबुल्लाह शाह कश्मीर विश्वविद्यालय, प्रो. पंकज अरोड़ा शिक्षा विभाग (सीआईई) दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. सीजे सोनोवाल सेंटर फोर फैमिली एंड जनरेशंस इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डीआर गोयल बड़ौदा विश्वविद्यालय और प्रो. दिशा नवानी सेंटर फॉर एजुकेशन टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान मुंबई के नाम प्रमुख रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

One Week Workshop on "Qualitative Research Methodology"

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 14-03-2022**

सामाजिक संदर्भों की खोज में गुणात्मक अनुसंधान सहायक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस दौरान कुलपति ने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है।

आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रही। कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो. श्रीनिवास राव जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, प्रो. लतिका शर्मा, पंजाब विश्वविद्यालय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. एलेक्स अखुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ. सुरेश जीएस जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह पंजाब विश्वविद्यालय, डॉ. हबीबुल्लाह शाह कश्मीर विश्वविद्यालयय, प्रो. पंकज अरोड़ा शिक्षा विभाग (सीआईई), प्रो. सीजे सोनोवाल सेंटर फोर फैमिली एंड जनरेशंस, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डीआर गोयल बड़ौदा विश्वविद्यालय, प्रो. दिशा नवानी सेंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान मुम्बई के नाम प्रमुख रहे। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के समापन पर सम्मिलित कुलसचिव व प्रतिभागी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-03-2022**

गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुनः स्थापित कर पाएंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया । समापन समारोह की शुरुआत विवि कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल आफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई। कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन ●

हरियाणा के केंद्रीय विवि के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने आफलाइन व आनलाइन मोड में भाग लिया और 75 पंजीकृत प्रतिभागियों ने देश भर में आनलाइन व आफलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया। विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सेंटर फार एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू, प्रो. लतिका शर्मा, प्रोफेसर, पंजाब विवि प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विवि डा. एलेक्स अखुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डा. सुरेश बाबू जी.एस., जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह, पंजाब विवि डा. हबीबुल्लाह शाह, कश्मीर विवि प्रो. पंकज अरोड़ा, शिक्षा विभाग (सीआईई), दिल्ली विवि, प्रो. सी.जे. सोनोवाल, सेंटर फोर फैमिली एंड जनरेशंस, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डी आर गोयल, बड़ौदा विवि, और प्रो. दिशा नवानी, सेंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई के नाम प्रमुख रहे। कार्यशाला के समन्वयक डा. आरती यादव, प्रो. प्रमोद कुमार, डा. दिनेश चहल, डा. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 14-03-2022**

हकेंवि में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका बताई

हरिभूमि ब्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुन स्थापित कर पायेंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया । समापन समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई, जिसमें संसाधन व्यक्तियों के प्रदर्शन और गतिविधि को संक्षेप में बताया गया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में भाग लिया और 75 पंजीकृत प्रतिभागियों ने देशभर में ऑनलाइन व ऑफलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया।

कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद, डॉ. दिनेश चहल व डॉ. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विवि में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं ने प्रमुख रूप से प्रो. श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू, प्रो. लतिका शर्मा, पंजाब विश्वविद्यालय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. एलेक्स अक्षुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइन्सेज मुंबई कैंपस, डॉ. सुरेश बाबू जीएस, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज जेएनयू नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह पंजाब विश्वविद्यालय, डॉ. हबीबुल्लाह शाह कश्मीर विश्वविद्यालय, प्रो. पंकज अरोड़ा शिक्षा विभाग (सीआईई) दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. सीजे सोनोवाल सेंटर फॉर फैमिली एंड जनरेशंस इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डीआर गोयल महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय और प्रो. दिशा नवानी सेंटर फॉर एजुकेशन टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान मुंबई के नाम प्रमुख रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 14-03-2022**

हकेंवि में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

महेंद्रगढ़, 13 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए।

उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुनः स्थापित कर पाएंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी।

उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह की शुरूआत विश्वविद्यालय कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सत्र के मुख्यातिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई, जिसमें संसाधन व्यक्तियों के प्रदर्शन और गतिविधि को संक्षेप में बताया गया।

शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में लिया भाग

उन्होंने कहा कि कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में भाग लिया। कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो. श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सैंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जे.एन.यू., प्रो. लतिका शर्मा, प्रोफैसर, पंजाब विश्वविद्यालय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. एलेक्स अखुप, सैंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नैंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ. सुरेश बाबू जी.एस., जाकिर हुसैन सैंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जे.एन.यू. नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह, पंजाब विश्वविद्यालयय डॉ. हबीबुल्लाह शाह, कश्मीर विश्वविद्यालय प्रो. पंकज अरोड़ा, शिक्षा विभाग (सी.आई.ई.), दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. सी.जे. सोनोवाल, सैंटर फोर फैमिली एंड जनरेशंस, इंटरनैशनल इंस्टीच्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डी.आर. गोयल, बड़ौदा विश्वविद्यालय और प्रो. दिशा नवानी, सैंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई के नाम प्रमुख रहे।

कार्यशाला की समन्वयक डा. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार, डा. दिनेश चहल, डा. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 14-03-2022**

हकेवि में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन

संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020

का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुन स्थापित कर पायेंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई जिसमें संसाधन व्यक्तियों के प्रदर्शन और गतिविधि को संक्षेप में बताया गया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में भाग लिया और 75 पंजीकृत प्रतिभागियों ने देश भर में ऑनलाइन व ऑफलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया।

कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू, प्रो. लतिका शर्मा, प्रोफेसर, पंजाब विश्वविद्यालयय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालयय डॉ. एलेक्स अखुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ सुरेश बाबू जीएस, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली, सेंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई के नाम प्रमुख रहे। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 14-03-2022**

हकेंवि में आज से होगा ज्ञान कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दो सप्ताह तक चलने वाला यह यह ऑनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

ज्ञान कोर्स की समन्वयक डॉ. सुनीता तंवर ने बताया कि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय।

एवं प्रबंधन पीठ एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में ड्यूस्टो बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में शामिल होंगे। कोर्स का लाइव प्रसारण शाम 4 से 6 बजे तक होगा।

डॉ. तंवर ने बताया कि इस कोर्स से संबंधित सभी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 14-03-2022**

हकेंवि में 'ज्ञान' कार्यक्रम आज

व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर करेंगे मंथन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू हो रहा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरु हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दो सप्ताह तक चलने वाला यह ऑनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

इस 'ज्ञान' कोर्स की समन्वयक डॉ. सुनीता तंवर ने बताया कि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन एवं प्रबंधन पीठ एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में डयूस्टो बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस कोर्स का लाइव प्रसारण शाम 4 बजे से 6 बजे तक होगा। डॉ. तंवर ने बताया कि इस कोर्स से संबंधित सभी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-03-2022**

हरियाणा केंद्रीय विवि में 'ज्ञान' कार्यक्रम आज से

स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में रहेंगे उपस्थित, व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीट्यूट फार एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू हो रहा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दो सप्ताह तक चलने वाला यह यह आनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस 'ज्ञान' कोर्स की समन्वयक डा. सुनीता तंवर ने बताया कि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन एवं प्रबंधन पीठ एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में ड्यूस्टों बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस कोर्स का लाइव प्रसारण शाम चार बजे से छह बजे तक होगा। डा. तंवर ने बताया कि इस कोर्स से संबंधित सभी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 14-03-2022**

हरियाणा केंद्रीय विवि में ज्ञान कार्यक्रम आज से

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू हो रहा है। केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दो सप्ताह तक चलने वाला ऑनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। डॉ. सुनीता तंवर ने बताया कि कार्यक्रम में डयूस्टों बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे।

हकेंवि में 'ज्ञान' कार्यक्रम आज से

महेंद्रगढ़, 13 मार्च (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीच्यूट फॉर एकैडमिक नैटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू हो रहा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। 2 सप्ताह तक चलने वाला यह यह ऑनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

इस 'ज्ञान' कोर्स की समन्वयक

स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में रहेंगे उपस्थित

डा. सुनीता तंवर ने बताया कि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन एवं प्रबंधन पीठ एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में डयूस्टों बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस कोर्स का लाइव प्रसारण शाम 4 से 6 बजे तक होगा।

डॉ. तंवर ने बताया कि इस कोर्स से संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 14-03-2022**

सामाजिक संदर्भों की खोज में गुणात्मक अनुसंधान सहायक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस दौरान कुलपति ने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है।

आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रही। कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो. श्रीनिवास राव जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, प्रो. लतिका शर्मा, पंजाब विश्वविद्यालय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. एलेक्स अखुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ. सुरेश जीएस जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह पंजाब विश्वविद्यालय, डॉ. हबीबुल्लाह शाह कश्मीर विश्वविद्यालयय, प्रो. पंकज अरोड़ा शिक्षा विभाग (सीआईई), प्रो. सीजे सोनोवाल सेंटर फोर फैमिली एंड जनरेशंस, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डीआर गोयल बड़ौदा विश्वविद्यालय, प्रो. दिशा नवानी सेंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान मुम्बई के नाम प्रमुख रहे। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के समापन पर सम्मिलित कुलसचिव व प्रतिभागी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-03-2022**

गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुनः स्थापित कर पाएंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया । समापन समारोह की शुरुआत विवि कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल आफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई। कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन ●

हरियाणा के केंद्रीय विवि के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने आफलाइन व आनलाइन मोड में भाग लिया और 75 पंजीकृत प्रतिभागियों ने देश भर में आनलाइन व आफलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया। विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सेंटर फार एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू, प्रो. लतिका शर्मा, प्रोफेसर, पंजाब विवि प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विवि डा. एलेक्स अखुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डा. सुरेश बाबू जी.एस., जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह, पंजाब विवि डा. हबीबुल्लाह शाह, कश्मीर विवि प्रो. पंकज अरोड़ा, शिक्षा विभाग (सीआईई), दिल्ली विवि, प्रो. सी.जे. सोनोवाल, सेंटर फोर फैमिली एंड जनरेशंस, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डी आर गोयल, बड़ौदा विवि, और प्रो. दिशा नवानी, सेंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई के नाम प्रमुख रहे। कार्यशाला के समन्वयक डा. आरती यादव, प्रो. प्रमोद कुमार, डा. दिनेश चहल, डा. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 14-03-2022**

हकेंवि में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका बताई

हरिभूमि ब्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुन स्थापित कर पायेंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया । समापन समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई, जिसमें संसाधन व्यक्तियों के प्रदर्शन और गतिविधि को संक्षेप में बताया गया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में भाग लिया और 75 पंजीकृत प्रतिभागियों ने देशभर में ऑनलाइन व ऑफलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया।

कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद, डॉ. दिनेश चहल व डॉ. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विवि में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं ने प्रमुख रूप से प्रो. श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू, प्रो. लतिका शर्मा, पंजाब विश्वविद्यालय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. एलेक्स अक्षुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइन्सेज मुंबई कैंपस, डॉ. सुरेश बाबू जीएस, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज जेएनयू नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह पंजाब विश्वविद्यालय, डॉ. हबीबुल्लाह शाह कश्मीर विश्वविद्यालय, प्रो. पंकज अरोड़ा शिक्षा विभाग (सीआईई) दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. सीजे सोनोवाल सेंटर फॉर फैमिली एंड जनरेशंस इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डीआर गोयल महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय और प्रो. दिशा नवानी सेंटर फॉर एजुकेशन टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान मुंबई के नाम प्रमुख रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 14-03-2022**

हकेंवि में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

महेंद्रगढ़, 13 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए।

उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुनः स्थापित कर पाएंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी।

उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह की शुरूआत विश्वविद्यालय कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सत्र के मुख्यातिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई, जिसमें संसाधन व्यक्तियों के प्रदर्शन और गतिविधि को संक्षेप में बताया गया।

शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में लिया भाग

उन्होंने कहा कि कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में भाग लिया। कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो. श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सैंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जे.एन.यू., प्रो. लतिका शर्मा, प्रोफैसर, पंजाब विश्वविद्यालय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. एलेक्स अखुप, सैंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नैंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ. सुरेश बाबू जी.एस., जाकिर हुसैन सैंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जे.एन.यू. नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह, पंजाब विश्वविद्यालयय डॉ. हबीबुल्लाह शाह, कश्मीर विश्वविद्यालय प्रो. पंकज अरोड़ा, शिक्षा विभाग (सी.आई.ई.), दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. सी.जे. सोनोवाल, सैंटर फोर फैमिली एंड जनरेशंस, इंटरनैशनल इंस्टीच्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डी.आर. गोयल, बड़ौदा विश्वविद्यालय और प्रो. दिशा नवानी, सैंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई के नाम प्रमुख रहे।

कार्यशाला की समन्वयक डा. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार, डा. दिनेश चहल, डा. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 14-03-2022**

हकेवि में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन

संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020

का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुन स्थापित कर पायेंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई जिसमें संसाधन व्यक्तियों के प्रदर्शन और गतिविधि को संक्षेप में बताया गया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में भाग लिया और 75 पंजीकृत प्रतिभागियों ने देश भर में ऑनलाइन व ऑफलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया।

कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू, प्रो. लतिका शर्मा, प्रोफेसर, पंजाब विश्वविद्यालयय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालयय डॉ. एलेक्स अखुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ सुरेश बाबू जीएस, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली, सेंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई के नाम प्रमुख रहे। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 14-03-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर आज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के पांचवे दिन की शुरुआत योग कार्यक्रम के साथ हुई। वहीं यूथ रेड क्रॉस व रैड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का रैडक्रॉस सोसायटी दिल्ली द्वारा सोमवार को आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान को महादान है। हम रक्तदान करके किसी का जीवन बचा सकते हैं। इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 14-03-2022**

हकेंवि में रक्तदान शिविर आज

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चल रहे 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के पांचवें दिन की शुरूआत योग कार्यक्रम के साथ हुई। वही आज यूथ रेडक्रॉस व रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का रेडक्रॉस सोसायटी दिल्ली के सौजन्य से आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हम रक्तदान करके किसी का जीवन बचा सकते हैं। इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान अवश्य करना चाहिए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 14-03-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर आज

महेंद्रगढ़, 13 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चल रहे 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) शिविर के 5वें दिन की शुरूआत योग कार्यक्रम के साथ हुई। वहीं 14 मार्च को यूथ रैडक्रॉस व रैड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का रैडक्रॉस सोसायटी दिल्ली के सौजन्य से आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि रक्तदान को महादान कहा जाता है, क्योंकि ये जीवन प्रदान करने वाली गतिविधि है। आपके रक्त का हर कतरा किसी के जीवन का स्रोत बन सकता है। हम रक्तदान करके किसी का जीवन बचा सकते हैं। इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। वही 5वें दिन गांव बसई में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही गांव के सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक कर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

इसके बाद जिला एड्स कंट्रोल सोसाइटी से रविंद्र कुमार ने एड्स जागरूकता पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि एच.आई.वी. संक्रमित के साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं करना चाहिए। साथ ही उन्होंने एच.आई.वी. पीड़ितों को सरकारी स्तर से मिलने वाली सहायता व चिकित्सा सुविधा की भी जानकारी दी। हकेंवि की एन.एस.एस. इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि शनिवार को चौथे दिन वरिष्ठ व्याख्याता टेकचंद यादव ने प्रतिभागियों को प्राथमिक चिकित्सा और होम नर्सिंग का प्रशिक्षण दिया। डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि 15 मार्च तक चलने वाले इस शिविर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के स्वयंसेवक उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर आज

महेंद्रगढ़, 13 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चल रहे 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) शिविर के 5वें दिन की शुरूआत योग कार्यक्रम के साथ हुई। वहीं 14 मार्च को यूथ रैडक्रॉस व रैड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का रैडक्रॉस सोसायटी दिल्ली के सौजन्य से आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि रक्तदान को महादान कहा जाता है, क्योंकि ये जीवन प्रदान करने वाली गतिविधि है। आपके रक्त का हर कतरा किसी के जीवन का स्रोत बन सकता है। हम रक्तदान करके किसी का जीवन बचा सकते हैं। इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। वही 5वें दिन गांव बसई में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही गांव के सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक कर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

इसके बाद जिला एड्स कंट्रोल सोसाइटी से रविंद्र कुमार ने एड्स जागरूकता पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि एच.आई.वी. संक्रमित के साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं करना चाहिए। साथ ही उन्होंने एच.आई.वी. पीड़ितों को सरकारी स्तर से मिलने वाली सहायता व चिकित्सा सुविधा की भी जानकारी दी। हकेंवि की एन.एस.एस. इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि शनिवार को चौथे दिन वरिष्ठ व्याख्याता टेकचंद यादव ने प्रतिभागियों को प्राथमिक चिकित्सा और होम नर्सिंग का प्रशिक्षण दिया। डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि 15 मार्च तक चलने वाले इस शिविर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के स्वयंसेवक उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं।

हकेंवि में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

महेंद्रगढ़, 13 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए।

उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुन: स्थापित कर पाएंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी।

उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह की शुरूआत विश्वविद्यालय कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सत्र के मुख्यातिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई, जिसमें संसाधन व्यक्तियों के प्रदर्शन और गतिविधि को संक्षेप में बताया गया।

शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में लिया भाग

उन्होंने कहा कि कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में भाग लिया। कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो. श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सैंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जे.एन.यू., प्रो. लतिका शर्मा, प्रोफैसर, पंजाब विश्वविद्यालय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. एलेक्स अखुप, सैंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नैंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ. सुरेश बाबू जी.एस., जाकिर हुसैन सैंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जे.एन.यू. नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह, पंजाब विश्वविद्यालयय डॉ. हबीबुल्लाह शाह, कश्मीर विश्वविद्यालय प्रो. पंकज अरोड़ा, शिक्षा विभाग (सी. आई. ई.), दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. सी.जे. सोनोवाल, सैंटर फोर फैमिली एंड जनरेशंस, इंटरनैशनल इंस्टीच्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डी.आर. गोयल, बड़ौदा विश्वविद्यालय और प्रो. दिशा नवानी, सैंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई के नाम प्रमुख रहे।

कार्यशाला की समन्वयक डा. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार, डा. दिनेश चहल, डा. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हकेवि में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्याशाला का आयोजन

संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुन स्थापित कर पायेंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई जिसमें संसाधन व्यक्तियों के प्रदर्शन और गतिविधि को संक्षेप में बताया गया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में भाग लिया और 75 पंजीकृत प्रतिभागियों ने देश भर में ऑनलाइन व ऑफलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया।

कार्याशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू, प्रो. लतिका शर्मा, प्रोफेसर, पंजाब विश्वविद्यालयय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालयय डॉ. एलेक्स अखुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ सुरेश बाबू जीएस, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली, सेंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई के नाम प्रमुख रहे। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिविर में 151 यूनिट रक्तदान हुआ

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा सोमवार को जिला रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल के सहयोग से विवि में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 151 यूनिट रक्त दान हुआ। शिविर का उद्घाटन करने के बाद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है। हम सभी को इसके लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरियाणा के अध्यक्ष ईश कुमार आर्य, हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक, नेहरू युवा केंद्र के जिला समन्वयक महेंद्र नायक उपस्थित रहे। कुल सचिव प्रो. सारिका शर्मा व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। योगाचार्य निलेश और ईश कुमार ने प्रतिभागियों को योगाभ्यास करवाया। संवाद

हकेंवि में विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मियों और स्थानीय लोगों ने किया रक्तदान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा जिला रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है। हम सभी को रक्तदान के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरियाणा के अध्यक्ष ईश कुमार आर्य, हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक व नेहरू युवा केंद्र के जिला समन्वयक महेंद्र नायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने भी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत चल रहे 7 दिवसीय एनएसएस शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि रक्तदान शिविर के माध्यम से 151 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। उन्होंने इस आयोजन में सहभागिता हेतु जिला रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल का भी आभार व्यक्त किया।

हकेंवि में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

सांस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विवि की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व यूथ रेडक्रास इकाई द्वारा जिला रेडक्रास सोसायटी नारनौल के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है। हम सभी को इसके लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। रक्तदान किसी का जीवन बचाने में मददगार साबित हो सकता है इसलिए स्वस्थ लोगों को समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरियाणा के अध्यक्ष, ईश कुमार आर्य, हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक व नेहरू युवा केंद्र के जिला समन्वयक महेंद्र नायक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि उनके रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बच सकती है।

महेंद्रगढ़। रक्तदाताओं को बैज लगाते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। फोटो : हरिभूमि

रक्तदान शिविर 151 यूनिट रक्त एकत्रित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा जिला रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Blood Donation Camp

Newspaper: Amar Ujala **Date: 15-03-2022**

शिविर में 151 यूनिट रक्तदान हुआ

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा सोमवार को जिला रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल के सहयोग से विवि में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 151 यूनिट रक्त दान हुआ। शिविर का उद्घाटन करने के बाद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है। हम सभी को इसके लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरियाणा के अध्यक्ष ईश कुमार आर्य, हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक, नेहरू युवा केंद्र के जिला समन्वयक महेंद्र नायक उपस्थित रहे। कुल सचिव प्रो. सारिका शर्मा व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। योगाचार्य निलेश और ईश कुमार ने प्रतिभागियों को योगाभ्यास करवाया। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 15-03-2022**

हकेंवि में विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मियों और स्थानीय लोगों ने किया रक्तदान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा जिला रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है। हम सभी को रक्तदान के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरियाणा के अध्यक्ष ईश कुमार आर्य, हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक व नेहरू युवा केंद्र के जिला समन्वयक महेंद्र नायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने भी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत चल रहे 7 दिवसीय एनएसएस शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि रक्तदान शिविर के माध्यम से 151 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। उन्होंने इस आयोजन में सहभागिता हेतु जिला रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल का भी आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 15-03-2022**

हकेंवि में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विवि की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व यूथ रेडक्रास इकाई द्वारा जिला रेडक्रास सोसायटी नारनौल के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है। हम सभी को इसके लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। रक्तदान किसी का जीवन बचाने में मददगार साबित हो सकता है इसलिए स्वस्थ लोगों को समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरियाणा के अध्यक्ष, ईश कुमार आर्य, हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक व नेहरू युवा केंद्र के जिला समन्वयक महेंद्र नायक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि उनके रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बच सकती है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 15-03-2022**

महेंद्रगढ़। रक्तदाताओं को बैज लगाते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। फोटो : हरिभूमि

रक्तदान शिविर 151 यूनिट रक्त एकत्रित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा जिला रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 15-03-2022**

हकेंवि में रक्तदान शिविर आयोजित, विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व स्थानीय लोगों ने लिया हिस्सा

महेंद्रगढ़, 14 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व यूथ रैडक्रॉस इकाई द्वारा जिला रैडक्रॉस सोसायटी नारनौल के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में 14 मार्च को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

रक्तदान शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है। हम सभी को इसके लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। रक्तदान किसी का जीवन बचाने में मददगार साबित हो सकता है इसलिए स्वस्थ लोगों को समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरियाणा के अध्यक्ष, ईश कुमार आर्य, हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक व नेहरू युवा केंद्र के जिला समन्वयक महेंद्र नायक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने

रक्तदान शिविर में बैज लगाकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि उनके द्वारा किए गए रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बच सकती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने भी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत चल रहे 7 दिवसीय एन.एस.एस. शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के संयोजक डा. दिनेश चहल ने बताया कि रक्तदान शिविर के माध्यम से 151 यूनिट रक्त एकत्र हुआ।

डा. दिनेश चहल ने बताया कि रक्तदान शिविर के साथ छठे दिन की शुरूआत योग कार्यक्रम के साथ हुई। जिसमें योगाचार्य निलेश और ईश कुमार ने प्रतिभागियों को योगाभ्यास करवाया। साथ ही स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया। वहीं शाम के समय राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

हकेंवि में रक्तदान शिविर आयोजित, विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व स्थानीय लोगों ने लिया हिस्सा

महेंद्रगढ़, 14 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व यूथ रैडक्रॉस इकाई द्वारा जिला रैडक्रॉस सोसायटी नारनौल के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में 14 मार्च को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

रक्तदान शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है। हम सभी को इसके लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। रक्तदान किसी का जीवन बचाने में मददगार साबित हो सकता है इसलिए स्वस्थ लोगों को समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरियाणा के अध्यक्ष, ईश कुमार आर्य, हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक व नेहरू युवा केंद्र के जिला समन्वयक महेंद्र नायक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि उनके द्वारा किए गए रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बच सकती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने भी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत चल रहे 7 दिवसीय एन.एस.एस. शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के संयोजक डा. दिनेश चहल ने बताया कि रक्तदान शिविर के माध्यम से 151 यूनिट रक्त एकत्र हुआ।

रक्तदान शिविर में बैज लगाकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

डा. दिनेश चहल ने बताया कि रक्तदान शिविर के साथ छठे दिन की शुरूआत योग कार्यक्रम के साथ हुई। जिसमें योगाचार्य निलेश और ईश कुमार ने प्रतिभागियों को योगाभ्यास करवाया। साथ ही स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया। वहीं शाम के समय राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

हकेंवि में 'बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग टेक्नोलॉजी' पर ऑनलाइन कार्यशाला

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

विद्यार्थियों को उनके शिक्षा क्षेत्र के आधुनिक कौशल में उत्तम तरीकों से अवगत कराने हेतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग (बीआईएम) तकनीक पर 6 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के आयोजन पर खुशी जाहिर करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसमें अर्जित ज्ञान का लाभ उन्हें प्राप्त होगा।

कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूलसिंह ने निर्माण उद्योग में बीआईएम टेक्नोलॉजी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सभी को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि बीआईएम सिविल इंजीनियरिंग में ट्रेंडिंग कॉन्सेप्ट है, जहां हम स्ट्रक्चरल एलिमेंट्स की भौतिक और कार्यात्मक विशेषताओं के डिजिटल प्रतिनिधित्व को उत्पन्न और प्रबंधित कर सकते हैं। कार्यक्रम के समन्वयक इंजीनियर दीपक राणा ने विशेषज्ञ वक्ता सागर चंद्रे का परिचय प्रस्तुत किया। सागर चंद्रे ने बीआईएम टेक्नोलॉजी की उपयोगिता से जुड़ें महत्वपूर्ण तथ्यों से अवगत कराया।

हकेंवि आरक्षण संघर्ष समिति की मांगें 10 साल से अधर में लटकीं

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय आरक्षण संघर्ष समिति का एक शिष्टमंडल मंगलवार विनोद पाली, सूबेदार महेंद्र सिंह, संदीप कौशिक के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति से मिला। ग्रामीणों ने पिछले 10 वर्षों से अपनी लंबित मांगों का एक स्मरण पत्र और ज्ञापन उन्हें सौंप कर उनके द्वारा ग्रामीणों से किए हुए वादे याद दिलाएं। ग्रामीणों ने कहा कि आपने कार्यभार संभालते ही ग्रामीणों को आश्वासन दिया था कि प्रत्येक कोर्स में दोनों गांव के लिए एक-एक सीट प्रवेश हेतु आरक्षित की जाएगी, परंतु यह मांग अभी भी अधर में लटकी हुई है। साथ ही जिन किसानों की जमीन विश्वविद्यालय द्वारा अधिग्रहित की गई थी। उनके परिवारों को नौकरी देने का मामला भी अभी पूरा नहीं हुआ है। साथ ही जिन कच्चे कर्मचारियों को पिछले प्रशासन द्वारा बेवजह हटा दिया गया था, उन्हें भी नियुक्ति प्रदान नहीं की गई है। वर्तमान में जो नियुक्तियां हो रही है, उनमें इन लोगों की उपेक्षा हो रही है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि उन्होंने चार बार पिछले वर्षों में जो धांधली हुई है। उसकी जांच के लिए ज्ञापन सौंपा है, परंतु अब तक उस भ्रष्टाचार की जांच हेतु कोई कमेटी नहीं बनाई गई है। आरक्षण संघर्ष समिति ने पुनःजांच की मांग की। ज्ञापन देने वालों में कैलाश पाली, जाट के पूर्व सरपंच प्रकाश चंद, भवानी शर्मा महासचिव ब्राह्मण सभा, सतबीर घड़ीवाला, रविंद्र मिट्ठू, अनिल, सुमल पंच, प्रकाश जांगडा, बीडीसी सदस्य धोलूराम, दाताराम, चंदरलाल, रामसिंह अलावा अन्य ग्रामीण भी उपस्थित थे। कुलपति शीघ्र ही मांगे पूरा करने का आश्वासन दिया।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर हकेंवि में व्याख्यान आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में रूस व यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से जुड़े विभिन्न पहलुओं और इसमें भारत की भूमिका पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के द्वारा आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के प्रो. सतीश कुमार विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित इस व्याख्यान में विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने इस युद्ध के कारणों व उससे भारत व समूचे विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों को जाना-समझा।

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते प्रो. सतीश कुमार ● सौ. हकेंवि

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सतीश कुमार ने विस्तार से विश्व में अमेरिका और रूस की स्थिति के ऐतिहासिक व वर्तमान परिदृश्य पर प्रकाश डाला और यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के कारणों को प्रस्तुत किया। प्रो. सतीश कुमार ने बताया कि किस तरह से अमेरिका द्वारा इस युद्ध की स्थिति पैदा की गई और रूस के सख्त रुख के पीछे कौन से कारण जिम्मेदार हैं। प्रो. सतीश कुमार ने भारत सरकार द्वारा अपनाई जा रही भूमिका का समर्थन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रमेश कुमार, मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. वीएन यादव सहित भारी संख्या में विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के डा. अभिरंजन ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डा. ईश्वर परीदा ने प्रस्तुत किया।

हकेंवि में बीआइएम टेक्नोलाजी पर आनलाइन कार्यशाला

संस, महेंद्रगढ़ : विद्यार्थियों को उनके शिक्षा क्षेत्र के आधुनिक कौशल में उत्तम तरीकों से अवगत कराने हेतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा बिल्डिंग इंफार्मेशन माडलिंग (बीआइएम) तकनीक पर छह दिवसीय आनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसमें अर्जित ज्ञान का लाभ उन्हें प्राप्त होगा। स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के अधिष्ठाता प्रोफेसर फूल सिंह ने निर्माण उद्योग में बीआइएम टेक्नोलाजी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सभी को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विकास गर्ग ने कहा कि बीआईएम सिविल इंजीनियरिंग में ट्रेडिंग कान्सेप्ट है, जहां हम स्ट्रक्चरल एलिमेंट्स की भौतिक और कार्यात्मक विशेषताओं के डिजिटल प्रतिनिधित्व को उत्पन्न और प्रबंधित कर सकते हैं। कार्यक्रम के समन्वयक इंजीनियर दीपक राणा ने विशेषज्ञ वक्ता सागर चंद्र का परिचय प्रस्तुत किया। सागर चंद्र ने बीआइएम टेक्नोलॉजी की उपयोगिता से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों से अवगत कराया। शुभम ने बीआईएम टेक्नोलॉजी की बारीकियों को समझाया।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर विशेष व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़। हकेंवि में रूस व यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से जुड़े विभिन्न पहलुओं और भारत की भूमिका पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विवि के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के प्रो. सतीश विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

केंद्रीय विवि में ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को उनके शिक्षा क्षेत्र के आधुनिक कौशल में उत्तम तरीकों से अवगत करवाने के लिए हकेंवि के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग (बीआईएम) तकनीक पर छह दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में व्याख्यान आयोजित

इग्नू के प्रो. सतीश कुमार ने भारत की भूमिका पर डाला प्रकाश

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में रूस व यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से जुड़े विभिन्न पहलुओं और इसमें भारत की भूमिका पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विवि के इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के द्वारा आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. सतीश कुमार विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित इस व्याख्यान में विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने इस युद्ध के कारणों व उससे भारत व समूचे विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों को जाना-समझा। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सतीश कुमार ने विस्तार से विश्व में अमेरिका और रूस की स्थिति के ऐतिहासिक व वर्तमान परिदृश्य पर प्रकाश डाला और यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के कारणों को प्रस्तुत किया। प्रो. सतीश कुमार ने बताया कि किस तरह से अमेरिका द्वारा इस युद्ध की स्थिति पैदा की गई और रूस के सख्त रुख के पीछे कौन से कारण जिम्मेदार हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार, मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वीएन यादव सहित भारी संख्या में विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के डॉ. अभिरंजन ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ईश्वर परीदा ने प्रस्तुत किया।

CUH SIGNS PACT WITH SSN

Mahendragarh: The Central University of Haryana (CUH) has signed a memorandum of understanding (MoU) with the Swadeshi Swawlamban Nyas (SSN), Haryana, for working together in teaching, research and training programme in the field of tourism and hospitality. The MoU was signed by Registrar Prof Sarika Sharma on behalf of the CUH and Prof VP Luhach, on behalf of the SSN, Haryana. Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar said the MoU would promote mutual understanding, collaboration and research in exploring the ways and means to achieve the goal of self-reliant India.

पांच विद्यार्थियों को मिला रोजगार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बीबॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के आशीष, जिलसन जोजफ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज का प्लेसमेंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर की। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, कौशल विकास आदि आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। संवाद

सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग पर कार्यशाला शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च तक डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की मौजूदा आवश्यकता और उनके अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर चर्चा के लिए मंच प्रदान करना है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला समय की मांग है। इस कार्यशाला के माध्यम से निश्चित ही शोधकर्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्यों में इन अनुप्रयोगों का उपयोग करने में मदद करेगी।

कार्यशाला में भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कपिल कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में, संपूर्ण विश्व सांख्यिकीय उपकरणों से भरा हुआ है। सांख्यिकीय उपकरण पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को बुनियादी और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों की अवधारणाओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। संवाद

'वनों को बचाना समय की मांग'

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में इतिहास और पुरातत्व विभाग ने विश्व वन दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वन को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण विषय पर आधारित इस संगोष्ठी का उद्देश्य हमारे जीवन में जंगल का महत्त्व और जंगल की वस्तुस्थिति से प्रतिभागियों को अवगत कराना था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग के प्रयासों की सराहना की और अपने संदेश में कहा कि मानवता के हित में वनों को बचाना समय की आवश्यकता है।

संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के विभिन्न 6 विषयों के संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। संगोष्ठी में सभी प्रतिभागियों ने अपने स्वयं के अनुशासन के दृष्टिकोण से वन की प्रासंगिकता के बारे में अपने विचार रखे। उन्होंने हमारे देश के साथ-साथ विश्व स्तर पर वन की स्थिति में सुधार के लिए अर्थ, महत्त्व, चिंताओं, मुद्दों, चुनौतियों और कुछ संभावित समाधानों पर प्रकाश डाला। समापन अवसर पर पौधरोपण भी किया। हिंदी विभाग से डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, विधि विभाग से डॉ. प्रदीप कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ. राजीव कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग से डॉ. मोना, भूगोल विभाग से डॉ. खेराज और समाजशास्त्र विभाग से डॉ. युद्धवीर ने संगोष्ठी में हिस्सा लिया। संगोष्ठी में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रश्न पूछे। कार्यक्रम का संचालन इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अभिरंजन कुमार ने किया, जबकि सहायक आचार्य डॉ. ईश्वर परिदा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सॉफ्टवेयर व बुनियादी डाटा की जानकारी दी

हकेंवि में हुई डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय विषय पर 5 दिवसीय कार्यशाला

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च, 2022 तक 'डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला की शुरूआत हुई। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की मौजूदा आवश्यकता और उनके अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर चर्चा हेतु मंच प्रदान करना है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला समय की मांग है। इस कार्यशाला के माध्यम से निश्चित ही शोधकर्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्यों में इन अनुप्रयोगों का उपयोग करने में मदद करेगी।

इस कार्यशाला में भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कपिल कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में, संपूर्ण विश्व सांख्यिकीय उपकरणों से भरा हुआ है। सांख्यिकीय उपकरण पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को बुनियादी और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों की अवधारणाओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अतहर अली खान ने पहले दो सत्रों में आर सॉफ्टवेयर, बुनियादी डाटा, डाटा कॉम्बिंग और आर में डेटा आयात-निर्यात के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के दूसरे विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. विजय कुमार ने बुनियादी कार्यों, लूप्स और नियंत्रण प्रवाह विवरण बनाने के तरीकों के साथ सांख्यिकीय वितरणों के उपयोग और अनुप्रयोगों पर भी चर्चा की। उद्घाटन सत्र में सहायक प्रो. डॉ. रविंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कापीराइट और पेटेंट को लेकर जागरूक करने में कार्यशाला का बड़ा योगदान : टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ में आइपीआर, कापीराइट और पेटेंट विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कौशल, शिक्षा और अवसरों को सुलभ कौशल बनाने के लिए कार्यरत संगठन स्किल स्लेट के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से किया गया।

हकेंवि में राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर ● सौ. हकेंवि

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की अद्यतन जानकारियों के बारे में शिक्षित करने एवं उनके कॉपीराइट को सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पेटेंट और कॉपीराइट के माध्यम से कैसे बाजार में बढ़त बनाई जा सकती है और उनके विचार और नवाचार की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उद्यमिता प्रकोष्ठ की समन्वयक, डा. सुनीता तंवर ने कार्यशाला के विषय से प्रतिभागियों को अवगत कराया और प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ एवं सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन कॉपीराइट और पेटेंट फाइलिंग में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा। स्किलस्लेट फाउंडेशन की संस्थापक अमेया अग्रवाल ने प्रतिभागियों को अपने क्षेत्र में अभिनव दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया और बताया कि कैसे यह अभिनव दृष्टिकोण भारत की स्थिति को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ कर सकता है। कार्यक्रम की विशेषज्ञ डा. जयश्री बंगाली ने दो दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का संचालन किया और आईपीआर, विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट और पेटेंट, और इन पेटेंटों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला के समन्वयक डा. निशान सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हकेंविवि

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

आईपीआर, कॉपीराइट और पेटेंट विषय की दी जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) में आईपीआर, कॉपीराइट और पेटेंट विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कौशल, शिक्षा और अवसरों को सुलभ कौशल बनाने के लिए कार्यरत संगठन स्किल स्लेट के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की जानकारियों के बारे में शिक्षित करने एवं उनके कॉपीराइट को सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पेटेंट और कॉपीराइट के माध्यम से कैसे बाजार में बढ़त बनाई जा सकती है और उनके विचार और नवाचार की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उद्यमिता प्रकोष्ठ की समन्वयक, डॉ. सुनीता तंवर ने प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ एवं सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन कॉपीराइट और पेटेंट फाइलिंग में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा।

कार्यक्रम की विशेषज्ञ डॉ. जयश्री बंगाली ने दो दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का संचालन किया और आईपीआर, विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट और पेटेंट, और इन पेटेंटों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की।

वनों को बचाना समय की आवश्यकता: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास और पुरातत्व विभाग ने विश्व वन दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वन को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण विषय पर आधारित संगोष्ठी का उद्देश्य हमारे जीवन में जंगल का महत्व और जंगल की वस्तुस्थिति से प्रतिभागियों को अवगत कराना था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग के प्रयासों की सराहना की और अपने संदेश में कहा कि मानवता के हित में वनों को बचाना समय की आवश्यकता है। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के विभिन्न छह विषयों के संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने अपने स्वयं के अनुशासन के दृष्टिकोण से वन की प्रासंगिकता के बारे में अपने विचार रखे। हिंदी विभाग से डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, विधि विभाग से डॉ. प्रदीप कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ. राजीव कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग से डॉ. मोना, भूगोल विभाग से डॉ. खेराज और समाजशास्त्र विभाग से डॉ. युद्धवीर ने संगोष्ठी में हिस्सा लिया। संवाद

विश्वविद्यालय से महेंद्रगढ़ तक अतिरिक्त बस सेवा शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा राज्य नारनौल डिपो ने केंद्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए लॉकडाउन के दौरान से शामकाल चलने वाली बंद अतिरिक्त बस सेवा को सोमवार से शुरू कर दिया है। बस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहुंचने पर छात्र संगठन के सदस्यों ने चालक व परिचालक को स्वागत किया। छात्र संगठन सदस्य अक्षय मालड़ा ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आवागमन के लिए छात्र-छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। राज्य परिवहन के महा प्रबंधक से मांग के बाद उन्होंने बस सेवा शुरू कर दी है। संगठन की ओर से महाप्रबंधक नवीन शर्मा, टीएम अमित कुमार, डीआई विक्रम यादव, अड्डा इंचार्ज वेद प्रकाश का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर गजेंद्र, प्रवीन, यशपाल, जतिन, अमित, अजीत, महेश, निहाल, देवेंद्र सहित अन्य उपस्थित रहे। संवाद

पांच दिनी कार्यशाला की शुरुआत

डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर हो रही है कार्यशाला, यह समय की मांग है

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च तक 'डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की मौजूदा आवश्यकता और उनके अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर चर्चा हेतु मंच प्रदान करना है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला समय की मांग है। इस कार्यशाला के माध्यम से निश्चित ही शोधकर्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्यों में इन अनुप्रयोग का उपयोग करने में मदद करेगी। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस कार्यशाला में भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डा. कपिल कुमार ने कार्यशाला के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए कहा कि वर्तमान समय में, संपूर्ण विश्व सांख्यिकीय उपकरणों से भरा हुआ है। सांख्यिकीय उपकरण पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को बुनियादी और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों की अवधारणाओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि कार्यशाला प्रतिभागियों को विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों का ज्ञान प्राप्त करने में अवश्य ही मददगार साबित होगी। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अतहर अली खान ने पहले दो सत्रों में आर सॉफ्टवेयर, बुनियादी डाटा, डाटा कांबिंग और आर में डेटा आयात-निर्यात के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के दूसरे विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. विजय कुमार ने बुनियादी कार्यों, लूप्स और नियंत्रण प्रवाह विवरण बनाने के तरीकों के साथ सांख्यिकीय वितरण के उपयोग और अनुप्रयोग पर भी चर्चा की। कार्यशाला के समन्वयक और विभाग के सहायक आचार्य डा. देवेंद्र कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, महर्षि दयानंद विवि और जाकिर हुसैन कॉलेज सहित देश भर विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में सांख्यिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. रविंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हकेंवि के पांच विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बीवॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के आशीष, जिलसन जोजफ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज का डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद प्लेसमेंट हुआ है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर की।

डाटा विश्लेषण को विवि में कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हकेंवि के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च तक डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की आवश्यकता और अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर चर्चा के लिए मंच प्रदान करना है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

CUH Students got Placement (B.Voc. Retail & Logistics Management)

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 22-03-2022**

हकेंवि के पांच विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

प्लेसमेंट पाने वाले हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी ● सौ. हकेंवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रेस लाजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बीवाक-रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट के आशीष, जिलसन जोज़फ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थामस व जेसन जार्ज का प्लेसमेंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बीवाक-रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। कुलपति ने कहा कि यह प्लेसमेंट विद्यार्थियों के तीन साल के अथक परिश्रम के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 22-03-2022**

बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के 5 विद्यार्थियों की हुई प्लेसमैंट

महेंद्रगढ़, 21 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के 5 विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रैस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बी.वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के आशीष, जिलसन जोजफ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज की प्लेसमैंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बी.वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट प्रशिक्षण एवं प्लेसमैंट के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है।

प्लेसमैंट पाने वाले हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी।

साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। यह प्लेसमैंट विद्यार्थियों के 3 साल के अथक परिश्रम के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्य, रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा व विभाग के सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 22-03-2022**

हकेवि के पांच विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के हैं पांचों विद्यार्थी

ABHIN THOMAS MIDHUN MECHERY JILSON JOSEPH JEASON GEORGE ASHISH

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बी.वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के आशीष, जिलसन जोज़फ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज का प्लेसमेंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। कुलपति ने कहा कि यह प्लेसमेंट विद्यार्थियों के तीन साल के अथक परिश्रम के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि बी. वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट अपने समसामयिक पाठ्यक्रम और शिक्षकों के द्वारा दिए गए व्याहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विभाग किताबी शिक्षा के साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर औद्योगिक यात्राएं, विशेषज्ञ व्याख्यानों और औद्योगिक प्रशिक्षणों का आयोजन करता है। विद्यार्थियों के चयन पर विभाग के सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 22-03-2022**

पांच विद्यार्थियों को मिला रोजगार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बीवॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के आशीष, जिलसन जोजफ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज का प्लेसमेंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर की। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, कौशल विकास आदि आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

CUH Students got Placement (B.Voc. Retail & Logistics Management)

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 22-03-2022**

हकेंवि के पांच विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

प्लेसमेंट पाने वाले हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी • सौ. हकेंवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रेस लाजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बीवाक-रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट के आशीष, जिलसन जोज़फ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थामस व जेसन जार्ज का प्लेसमेंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बीवाक-रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। कुलपति ने कहा कि यह प्लेसमेंट विद्यार्थियों के तीन साल के अथक परिश्रम के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 22-03-2022**

बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के 5 विद्यार्थियों की हुई प्लेसमैंट

महेंद्रगढ़, 21 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के 5 विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रैस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बी.वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के आशीष, जिलसन जोजफ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज की प्लेसमैंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बी.वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट प्रशिक्षण एवं प्लेसमैंट के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है।

प्लेसमैंट पाने वाले हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी।

साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। यह प्लेसमैंट विद्यार्थियों के 3 साल के अथक परिश्रम के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्य, रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा व विभाग के सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 22-03-2022**

हकेवि के पांच विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के हैं पांचों विद्यार्थी

ABHIN THOMAS MIDHUN MECHERY JILSON JOSEPH JEASON GEORGE ASHISH

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बी.वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के आशीष, जिलसन जोज़फ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज का प्लेसमेंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। कुलपति ने कहा कि यह प्लेसमेंट विद्यार्थियों के तीन साल के अथक परिश्रम के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि बी. वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट अपने समसामयिक पाठ्यक्रम और शिक्षकों के द्वारा दिए गए व्याहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विभाग किताबी शिक्षा के साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर औद्योगिक यात्राएं, विशेषज्ञ व्याख्यानों और औद्योगिक प्रशिक्षणों का आयोजन करता है। विद्यार्थियों के चयन पर विभाग के सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 22-03-2022**

पांच विद्यार्थियों को मिला रोजगार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बीवॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के आशीष, जिलसन जोजफ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज का प्लेसमेंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर की। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, कौशल विकास आदि आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two Day Virtual Workshop on IPR, Copyrights and Patents

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 22-03-2022**

कापीराइट और पेटेंट को लेकर जागरूक करने में कार्यशाला का बड़ा योगदान : टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आइपीआर, कापीराइट और पेटेंट विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कौशल, शिक्षा और अवसरों को सुलभ कौशल बनाने के लिए कार्यरत संगठन स्किल स्लेट के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से किया गया।

हकेंवि में राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर ● सौ. हकेंवि

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की अद्यतन जानकारियों के बारे में शिक्षित करने एवं उनके कॉपीराइट को सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पेटेंट और कॉपीराइट के माध्यम से कैसे बाजार में बढ़त बनाई जा सकती है और उनके विचार और नवाचार की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उद्यमिता प्रकोष्ठ की समन्वयक, डा. सुनीता तंवर ने कार्यशाला के विषय से प्रतिभागियों को अवगत कराया और प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ एवं सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन कॉपीराइट और पेटेंट फाइलिंग में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा। स्किलस्लेट फाउंडेशन की संस्थापक अमेया अग्रवाल ने प्रतिभागियों को अपने क्षेत्र में अभिनव दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया और बताया कि कैसे यह अभिनव दृष्टिकोण भारत की स्थिति को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ कर सकता है। कार्यक्रम की विशेषज्ञ डा. जयश्री बंगाली ने दो दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का संचालन किया और आईपीआर, विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट और पेटेंट, और इन पेटेंटों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला के समन्वयक डा. निशान सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 22-03-2022**

हकेंविवि

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

आईपीआर, कॉपीराइट और पेटेंट विषय की दी जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) में आईपीआर, कॉपीराइट और पेटेंट विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कौशल, शिक्षा और अवसरों को सुलभ कौशल बनाने के लिए कार्यरत संगठन स्किल स्लेट के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की जानकारियों के बारे में शिक्षित करने एवं उनके कॉपीराइट को सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पेटेंट और कॉपीराइट के माध्यम से कैसे बाजार में बढ़त बनाई जा सकती है और उनके विचार और नवाचार की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उद्यमिता प्रकोष्ठ की समन्वयक, डॉ. सुनीता तंवर ने प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ एवं सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन कॉपीराइट और पेटेंट फाइलिंग में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा।

कार्यक्रम की विशेषज्ञ डॉ. जयश्री बंगाली ने दो दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का संचालन किया और आईपीआर, विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट और पेटेंट, और इन पेटेंटों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की।

वनों को बचाना समय की आवश्यकताः प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास और पुरातत्व विभाग ने विश्व वन दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वन को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण विषय पर आधारित संगोष्ठी का उद्देश्य हमारे जीवन में जंगल का महत्व और जंगल की वस्तुस्थिति से प्रतिभागियों को अवगत कराना था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग के प्रयासों की सराहना की और अपने संदेश में कहा कि मानवता के हित में वनों को बचाना समय की आवश्यकता है। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के विभिन्न छह विषयों के संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने अपने स्वयं के अनुशासन के दृष्टिकोण से वन की प्रासंगिकता के बारे में अपने विचार रखे। हिंदी विभाग से डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, विधि विभाग से डॉ. प्रदीप कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ. राजीव कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग से डॉ. मोना, भूगोल विभाग से डॉ. खेराज और समाजशास्त्र विभाग से डॉ. युद्धवीर ने संगोष्ठी में हिस्सा लिया। संवाद

विश्वविद्यालय से महेंद्रगढ़ तक अतिरिक्त बस सेवा शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा राज्य नारनौल डिपो ने केंद्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए लॉकडाउन के दौरान से शामकाल चलने वाली बंद अतिरिक्त बस सेवा को सोमवार से शुरू कर दिया है। बस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहुंचने पर छात्र संगठन के सदस्यों ने चालक व परिचालक को स्वागत किया। छात्र संगठन सदस्य अक्षय मालड़ा ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आवागमन के लिए छात्र-छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। राज्य परिवहन के महा प्रबंधक से मांग के बाद उन्होंने बस सेवा शुरू कर दी है। संगठन की ओर से महाप्रबंधक नवीन शर्मा, टीएम अमित कुमार, डीआई विक्रम यादव, अड्डा इंचार्ज वेद प्रकाश का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर गजेंद्र, प्रवीन, यशपाल, जतिन, अमित, अजीत, महेश, निहाल, देवेंद्र सहित अन्य उपस्थित रहे। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 22-03-2022**

आई.पी.आर., कॉपीराइट और पेटैंट पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, 21 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आई.पी.आर., कॉपीराइट और पेटैंट विषय पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कौशल, शिक्षा और अवसरों को सुलभ कौशल बनाने के लिए कार्यरत संगठन स्किल स्लेट के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की अद्यतन जानकारियों के बारे में शिक्षित करने एवं उनके कॉपीराइट को सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पेटैंट और कॉपीराइट के माध्यम से कैसे बाजार में बढ़त बनाई जा सकती है और उनके विचार और नवाचार की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उद्यमिता प्रकोष्ठ की समन्वयक, डॉ. सुनीता तंवर ने कार्यशाला के विषय से प्रतिभागियों को अवगत कराया और प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ एवं सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन कॉपीराइट और पेटैंट फाइलिंग में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा।

कार्यक्रम की विशेषज्ञ डा. जयश्री बंगाली ने 2 दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का संचालन किया और आई.पी.आर., विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट और पेटैंट और इन पेटैंटों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Five Day Workshop on 'Applications of Statistical Tools in Data Analysis'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 22-03-2022**

सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग पर कार्यशाला शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च तक डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की मौजूदा आवश्यकता और उनके अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर चर्चा के लिए मंच प्रदान करना है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला समय की मांग है। इस कार्यशाला के माध्यम से निश्चित ही शोधकर्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्यों में इन अनुप्रयोगों का उपयोग करने में मदद करेगी।

कार्यशाला में भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कपिल कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में, संपूर्ण विश्व सांख्यिकीय उपकरणों से भरा हुआ है। सांख्यिकीय उपकरण पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को बुनियादी और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों की अवधारणाओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। संवाद

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 22-03-2022**

सॉफ्टवेयर व बुनियादी डाटा की जानकारी दी

हकेंवि में हुई डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय विषय पर 5 दिवसीय कार्यशाला

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च, 2022 तक 'डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला की शुरूआत हुई। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की मौजूदा आवश्यकता और उनके अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर चर्चा हेतु मंच प्रदान करना है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला समय की मांग है। इस कार्यशाला के माध्यम से निश्चित ही शोधकर्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्यों में इन अनुप्रयोगों का उपयोग करने में मदद करेगी।

इस कार्यशाला में भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कपिल कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में, संपूर्ण विश्व सांख्यिकीय उपकरणों से भरा हुआ है। सांख्यिकीय उपकरण पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को बुनियादी और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों की अवधारणाओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अतहर अली खान ने पहले दो सत्रों में आर सॉफ्टवेयर, बुनियादी डाटा, डाटा कॉम्बिंग और आर में डेटा आयात-निर्यात के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के दूसरे विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. विजय कुमार ने बुनियादी कार्यों, लूप्स और नियंत्रण प्रवाह विवरण बनाने के तरीकों के साथ सांख्यिकीय वितरणों के उपयोग और अनुप्रयोगों पर भी चर्चा की। उद्घाटन सत्र में सहायक प्रो. डॉ. रविंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 22-03-2022**

पांच दिनी कार्यशाला की शुरुआत

डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर हो रही है कार्यशाला, यह समय की मांग है

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च तक 'डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की मौजूदा आवश्यकता और उनके अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर चर्चा हेतु मंच प्रदान करना है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला समय की मांग है। इस कार्यशाला के माध्यम से निश्चित ही शोधकर्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्यों में इन अनुप्रयोग का उपयोग करने में मदद करेगी। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस कार्यशाला में भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डा. कपिल कुमार ने कार्यशाला के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए कहा कि वर्तमान समय में, संपूर्ण विश्व सांख्यिकीय उपकरणों से भरा हुआ है। सांख्यिकीय उपकरण पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को बुनियादी और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों की अवधारणाओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि कार्यशाला प्रतिभागियों को विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों का ज्ञान प्राप्त करने में अवश्य ही मददगार साबित होगी। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अतहर अली खान ने पहले दो सत्रों में आर सॉफ्टवेयर, बुनियादी डाटा, डाटा कॉबिंग और आर में डेटा आयात-निर्यात के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के दूसरे विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. विजय कुमार ने बुनियादी कार्यों, लूप्स और नियंत्रण प्रवाह विवरण बनाने के तरीकों के साथ सांख्यिकीय वितरण के उपयोग और अनुप्रयोग पर भी चर्चा की। कार्यशाला के समन्वयक और विभाग के सहायक आचार्य डा. देवेंद्र कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, महर्षि दयानंद विवि और जाकिर हुसैन कॉलेज सहित देश भर विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में सांख्यिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. रविंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 22-03-2022**

डाटा विश्लेषण को विवि में कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हकेंवि के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च तक डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की आवश्यकता और अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर चर्चा के लिए मंच प्रदान करना है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 22-03-2022**

'डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग' विषय 5 दिवसीय कार्यशाला शुरू

महेंद्रगढ़, 21 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च तक 'डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला समय की मांग है। इस कार्यशाला के माध्यम से निश्चित ही शोधकर्त्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्यों में इन अनुप्रयोगों का उपयोग करने में मदद करेगी।

कार्यशाला के आयोजन सचिव व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डा. कपिल कुमार ने कार्यशाला के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत करवाते हुए कहा कि वर्तमान समय में संपूर्ण विश्व सांख्यिकीय उपकरणों से भरा हुआ है। सांख्यिकीय उपकरण पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को बुनियादी और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों की अवधारणाओं से रू-ब-रू होने का अवसर मिलेगा।

कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अतहर अली खान ने पहले 2 सत्रों में आर सॉफ्टवेयर, बुनियादी डाटा, डाटा कॉम्बिंग और आर में डाटा आयात-निर्यात के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के दूसरे विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. विजय कुमार ने बुनियादी कार्यों, लूप्स और नियंत्रण प्रवाह विवरण बनाने के तरीकों के साथ सांख्यिकीय वितरणों के उपयोग और अनुप्रयोगों पर भी चर्चा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 22-03-2022**

हकेंवि के पांच विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

प्लेसमेंट पाने वाले हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी ● सौ. हकेंवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रेस लाजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बीवाक-रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट के आशीष, जिलसन जोज़फ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थामस व जेसन जार्ज का प्लेसमेंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बीवाक-रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। कुलपति ने कहा कि यह प्लेसमेंट विद्यार्थियों के तीन साल के अथक परिश्रम के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 22-03-2022**

पांच विद्यार्थियों को मिला रोजगार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बीवॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के आशीष, जिलसन जोजफ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज का प्लेसमेंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर की। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, कौशल विकास आदि आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 22-03-2022**

बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के 5 विद्यार्थियों की हुई प्लेसमैंट

महेंद्रगढ़, 21 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के 5 विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रैस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बी.वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के आशीष, जिलसन जोजफ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज की प्लेसमैंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बी.वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट प्रशिक्षण एवं प्लेसमैंट के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है।

प्लेसमैंट पाने वाले हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी।

साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। यह प्लेसमैंट विद्यार्थियों के 3 साल के अथक परिश्रम के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्य, रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा व विभाग के सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 22-03-2022**

हकेवि के पांच विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के हैं पांचों विद्यार्थी

ABHIN THOMAS MIDHUN MECHERY JILSON JOSEPH JEASON GEORGE ASHISH

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बी.वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के आशीष, जिलसन जोज़फ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज का प्लेसमेंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। कुलपति ने कहा कि यह प्लेसमेंट विद्यार्थियों के तीन साल के अथक परिश्रम के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि बी. वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट अपने समसामयिक पाठ्यक्रम और शिक्षकों के द्वारा दिए गए व्याहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विभाग किताबी शिक्षा के साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर औद्योगिक यात्राएं, विशेषज्ञ व्याख्यानों और औद्योगिक प्रशिक्षणों का आयोजन करता है। विद्यार्थियों के चयन पर विभाग के सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 22-03-2022**

सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग पर कार्यशाला शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च तक डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की मौजूदा आवश्यकता और उनके अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर चर्चा के लिए मंच प्रदान करना है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला समय की मांग है। इस कार्यशाला के माध्यम से निश्चित ही शोधकर्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्यों में इन अनुप्रयोगों का उपयोग करने में मदद करेगी।

कार्यशाला में भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कपिल कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में, संपूर्ण विश्व सांख्यिकीय उपकरणों से भरा हुआ है। सांख्यिकीय उपकरण पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को बुनियादी और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों की अवधारणाओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 22-03-2022**

सॉफ्टवेयर व बुनियादी डाटा की जानकारी दी

हकेंवि में हुई डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय विषय पर 5 दिवसीय कार्यशाला

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च, 2022 तक 'डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला की शुरूआत हुई। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की मौजूदा आवश्यकता और उनके अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर चर्चा हेतु मंच प्रदान करना है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला समय की मांग है। इस कार्यशाला के माध्यम से निश्चित ही शोधकर्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्यों में इन अनुप्रयोगों का उपयोग करने में मदद करेगी।

इस कार्यशाला में भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कपिल कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में, संपूर्ण विश्व सांख्यिकीय उपकरणों से भरा हुआ है। सांख्यिकीय उपकरण पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को बुनियादी और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों की अवधारणाओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अतहर अली खान ने पहले दो सत्रों में आर सॉफ्टवेयर, बुनियादी डाटा, डाटा कॉम्बिंग और आर में डेटा आयात-निर्यात के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के दूसरे विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. विजय कुमार ने बुनियादी कार्यों, लूप्स और नियंत्रण प्रवाह विवरण बनाने के तरीकों के साथ सांख्यिकीय वितरणों के उपयोग और अनुप्रयोगों पर भी चर्चा की। उद्घाटन सत्र में सहायक प्रो. डॉ. रविंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 22-03-2022**

पांच दिनी कार्यशाला की शुरुआत

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च तक 'डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की मौजूदा आवश्यकता और उनके अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर चर्चा हेतु मंच प्रदान करना है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला समय की मांग है। इस कार्यशाला के माध्यम से निश्चित ही शोधकर्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्यों में इन अनुप्रयोग का उपयोग करने में मदद करेगी। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस कार्यशाला में भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डा. कपिल कुमार ने कार्यशाला के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए कहा कि वर्तमान समय में, संपूर्ण विश्व सांख्यिकीय उपकरणों से भरा हुआ है। सांख्यिकीय उपकरण पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को बुनियादी और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों की अवधारणाओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि कार्यशाला प्रतिभागियों को विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों का ज्ञान प्राप्त करने में अवश्य ही मददगार साबित होगी। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अतहर अली खान ने पहले दो सत्रों में आर सॉफ्टवेयर, बुनियादी डाटा, डाटा कॉबिंग और आर में डेटा आयात-निर्यात के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के दूसरे विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. विजय कुमार ने बुनियादी कार्यों, लूप्स और नियंत्रण प्रवाह विवरण बनाने के तरीकों के साथ सांख्यिकीय वितरण के उपयोग और अनुप्रयोग पर भी चर्चा की। कार्यशाला के समन्वयक और विभाग के सहायक आचार्य डा. देवेंद्र कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, महर्षि दयानंद विवि और जाकिर हुसैन कॉलेज सहित देश भर विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में सांख्यिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. रविंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर हो रही है कार्यशाला, यह समय की मांग है

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 22-03-2022**

डाटा विश्लेषण को विवि में कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हकेंवि के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च तक डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की आवश्यकता और अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर चर्चा के लिए मंच प्रदान करना है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 22-03-2022**

'डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग' विषय 5 दिवसीय कार्यशाला शुरू

महेंद्रगढ़, 21 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च तक 'डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला समय की मांग है। इस कार्यशाला के माध्यम से निश्चित ही शोधकर्त्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्यों में इन अनुप्रयोगों का उपयोग करने में मदद करेगी।

कार्यशाला के आयोजन सचिव व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डा. कपिल कुमार ने कार्यशाला के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत करवाते हुए कहा कि वर्तमान समय में संपूर्ण विश्व सांख्यिकीय उपकरणों से भरा हुआ है। सांख्यिकीय उपकरण पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को बुनियादी और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों की अवधारणाओं से रू-ब-रू होने का अवसर मिलेगा।

कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अतहर अली खान ने पहले 2 सत्रों में आर सॉफ्टवेयर, बुनियादी डाटा, डाटा कॉम्बिंग और आर में डाटा आयात-निर्यात के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के दूसरे विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. विजय कुमार ने बुनियादी कार्यों, लूप्स और नियंत्रण प्रवाह विवरण बनाने के तरीकों के साथ सांख्यिकीय वितरणों के उपयोग और अनुप्रयोगों पर भी चर्चा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 22-03-2022**

कापीराइट और पेटेंट को लेकर जागरूक करने में कार्यशाला का बड़ा योगदान : टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आइपीआर, कापीराइट और पेटेंट विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कौशल, शिक्षा और अवसरों को सुलभ कौशल बनाने के लिए कार्यरत संगठन स्किल स्लेट के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की अद्यतन जानकारियों के बारे में शिक्षित करने एवं उनके कॉपीराइट को सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन

हकेंवि में राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर ● सौ. हकेंवि

की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पेटेंट और कॉपीराइट के माध्यम से कैसे बाजार में बढ़त बनाई जा सकती है और उनके विचार और नवाचार की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उद्यमिता प्रकोष्ठ की समन्वयक, डा. सुनीता तंवर ने कार्यशाला के विषय से प्रतिभागियों को अवगत कराया और प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ एवं सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन कॉपीराइट और पेटेंट फाइलिंग में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा। स्किलस्लेट फाउंडेशन की संस्थापक अमेया अग्रवाल ने प्रतिभागियों को अपने क्षेत्र में अभिनव दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया और बताया कि कैसे यह अभिनव दृष्टिकोण भारत की स्थिति को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ कर सकता है। कार्यक्रम की विशेषज्ञ डा. जयश्री बंगाली ने दो दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का संचालन किया और आईपीआर, विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट और पेटेंट, और इन पेटेंटों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला के समन्वयक डा. निशान सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 22-03-2022**

हकेंविवि

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

आईपीआर, कॉपीराइट और पेटेंट विषय की दी जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) में आईपीआर, कॉपीराइट और पेटेंट विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कौशल, शिक्षा और अवसरों को सुलभ कौशल बनाने के लिए कार्यरत संगठन स्किल स्लेट के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की जानकारियों के बारे में शिक्षित करने एवं उनके कॉपीराइट को सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पेटेंट और कॉपीराइट के माध्यम से कैसे बाजार में बढ़त बनाई जा सकती है और उनके विचार और नवाचार की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उद्यमिता प्रकोष्ठ की समन्वयक, डॉ. सुनीता तंवर ने प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ एवं सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन कॉपीराइट और पेटेंट फाइलिंग में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा।

कार्यक्रम की विशेषज्ञ डॉ. जयश्री बंगाली ने दो दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का संचालन किया और आईपीआर, विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट और पेटेंट, और इन पेटेंटों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की।

वनों को बचाना समय की आवश्यकता: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास और पुरातत्व विभाग ने विश्व वन दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वन को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण विषय पर आधारित संगोष्ठी का उद्देश्य हमारे जीवन में जंगल का महत्व और जंगल की वस्तुस्थिति से प्रतिभागियों को अवगत कराना था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग के प्रयासों की सराहना की और अपने संदेश में कहा कि मानवता के हित में वनों को बचाना समय की आवश्यकता है। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के विभिन्न छह विषयों के संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने अपने स्वयं के अनुशासन के दृष्टिकोण से वन की प्रासंगिकता के बारे में अपने विचार रखे। हिंदी विभाग से डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, विधि विभाग से डॉ. प्रदीप कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ. राजीव कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग से डॉ. मोना, भूगोल विभाग से डॉ. खेराज और समाजशास्त्र विभाग से डॉ. युद्धवीर ने संगोष्ठी में हिस्सा लिया। संवाद

विश्वविद्यालय से महेंद्रगढ़ तक अतिरिक्त बस सेवा शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा राज्य नारनौल डिपो ने केंद्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए लॉकडाउन के दौरान से शामकाल चलने वाली बंद अतिरिक्त बस सेवा को सोमवार से शुरू कर दिया है। बस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहुंचने पर छात्र संगठन के सदस्यों ने चालक व परिचालक को स्वागत किया। छात्र संगठन सदस्य अक्षय मालड़ा ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आवागमन के लिए छात्र-छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। राज्य परिवहन के महा प्रबंधक से मांग के बाद उन्होंने बस सेवा शुरू कर दी है। संगठन की ओर से महाप्रबंधक नवीन शर्मा, टीएम अमित कुमार, डीआई विक्रम यादव, अड्डा इंचार्ज वेद प्रकाश का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर गजेंद्र, प्रवीन, यशपाल, जतिन, अमित, अजीत, महेश, निहाल, देवेंद्र सहित अन्य उपस्थित रहे। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 22-03-2022**

आई.पी.आर., कॉपीराइट और पेटैंट पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, 21 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आई.पी.आर., कॉपीराइट और पेटैंट विषय पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कौशल, शिक्षा और अवसरों को सुलभ कौशल बनाने के लिए कार्यरत संगठन स्किल स्लेट के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की अद्यतन जानकारियों के बारे में शिक्षित करने एवं उनके कॉपीराइट को सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पेटैंट और कॉपीराइट के माध्यम से कैसे बाजार में बढ़त बनाई जा सकती है और उनके विचार और नवाचार की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उद्यमिता प्रकोष्ठ की समन्वयक, डॉ. सुनीता तंवर ने कार्यशाला के विषय से प्रतिभागियों को अवगत कराया और प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ एवं सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन कॉपीराइट और पेटैंट फाइलिंग में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा।

कार्यक्रम की विशेषज्ञ डा. जयश्री बंगाली ने 2 दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का संचालन किया और आई.पी.आर., विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट और पेटैंट और इन पेटैंटों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 22-03-2022**

'वनों को बचाना समय की मांग'

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में इतिहास और पुरातत्व विभाग ने विश्व वन दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वन को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण विषय पर आधारित इस संगोष्ठी का उद्देश्य हमारे जीवन में जंगल का महत्त्व और जंगल की वस्तुस्थिति से प्रतिभागियों को अवगत कराना था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग के प्रयासों की सराहना की और अपने संदेश में कहा कि मानवता के हित में वनों को बचाना समय की आवश्यकता है।

संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के विभिन्न 6 विषयों के संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। संगोष्ठी में सभी प्रतिभागियों ने अपने स्वयं के अनुशासन के दृष्टिकोण से वन की प्रासंगिकता के बारे में अपने विचार रखे। उन्होंने हमारे देश के साथ-साथ विश्व स्तर पर वन की स्थिति में सुधार के लिए अर्थ, महत्त्व, चिंताओं, मुद्दों, चुनौतियों और कुछ संभावित समाधानों पर प्रकाश डाला। समापन अवसर पर पौधरोपण भी किया। हिंदी विभाग से डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, विधि विभाग से डॉ. प्रदीप कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ. राजीव कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग से डॉ. मोना, भूगोल विभाग से डॉ. खेराज और समाजशास्त्र विभाग से डॉ. युद्धवीर ने संगोष्ठी में हिस्सा लिया। संगोष्ठी में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रश्न पूछे। कार्यक्रम का संचालन इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अभिरंजन कुमार ने किया, जबकि सहायक आचार्य डॉ. ईश्वर परिदा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के 5 विद्यार्थियों की हुई प्लेसमैंट

महेंद्रगढ़, 21 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के 5 विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रैस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बी.वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के आशीष, जिलसन जोजफ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज की प्लेसमैंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बी.वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट प्रशिक्षण एवं प्लेसमैंट के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है।

प्लेसमैंट पाने वाले हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी।

साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। यह प्लेसमैंट विद्यार्थियों के 3 साल के अथक परिश्रम के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्य, रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा व विभाग के सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

आई.पी.आर., कॉपीराइट और पेटैंट पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 21 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आई.पी.आर., कॉपीराइट और पेटैंट विषय पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कौशल, शिक्षा और अवसरों को सुलभ कौशल बनाने के लिए कार्यरत संगठन स्किल स्लेट के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की अद्यतन जानकारियों के बारे में शिक्षित करने एवं उनके कॉपीराइट को सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पेटैंट और कॉपीराइट के माध्यम से कैसे बाजार में बढ़त बनाई जा सकती है और उनके विचार और नवाचार की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उद्यमिता प्रकोष्ठ की समन्वयक, डॉ. सुनीता तंवर ने कार्यशाला के विषय से प्रतिभागियों को अवगत कराया और प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ एवं सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन कॉपीराइट और पेटैंट फाइलिंग में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा।

कार्यक्रम की विशेषज्ञ डा. जयश्री बंगाली ने 2 दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का संचालन किया और आई.पी.आर., विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट और पेटैंट और इन पेटैंटों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की।

'डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग' विषय 5 दिवसीय कार्यशाला शुरू

महेंद्रगढ़, 21 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च तक 'डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला समय की मांग है। इस कार्यशाला के माध्यम से निश्चित ही शोधकर्त्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्यों में इन अनुप्रयोगों का उपयोग करने में मदद करेगी।

कार्यशाला के आयोजन सचिव व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डा. कपिल कुमार ने कार्यशाला के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत करवाते हुए कहा कि वर्तमान समय में संपूर्ण विश्व सांख्यिकीय उपकरणों से भरा हुआ है। सांख्यिकीय उपकरण पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को बुनियादी और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों की अवधारणाओं से रू-ब-रू होने का अवसर मिलेगा।

कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अतहर अली खान ने पहले 2 सत्रों में आर सॉफ्टवेयर, बुनियादी डाटा, डाटा कॉम्बिंग और आर में डाटा आयात-निर्यात के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के दूसरे विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. विजय कुमार ने बुनियादी कार्यों, लूप्स और नियंत्रण प्रवाह विवरण बनाने के तरीकों के साथ सांख्यिकीय वितरणों के उपयोग और अनुप्रयोगों पर भी चर्चा की।

हकेवि के पांच विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के हैं पांचों विद्यार्थी

ABHIN THOMAS | MIDHUN MECHERY | JILSON JOSEPH | JEASON GEORGE | ASHISH

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बी.वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के आशीष, जिलसन जोज़फ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज का प्लेसमेंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है। कुलपति ने कहा कि यह प्लेसमेंट विद्यार्थियों के तीन साल के अथक परिश्रम के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि बी. वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट अपने समसामयिक पाठ्यक्रम और शिक्षकों के द्वारा दिए गए व्याहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विभाग किताबी शिक्षा के साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर औद्योगिक यात्राएं, विशेषज्ञ व्याख्यानों और औद्योगिक प्रशिक्षणों का आयोजन करता है। विद्यार्थियों के चयन पर विभाग के सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम

हकेंवि में विश्व जल दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

जल संकट : नदियों को जोड़ने पर दिया जोर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के तहत आने वाले पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा विश्व जल दिवस-2022 के तहत एंवायरमेंट एंड क्लाइमेट चेंज डिपार्टमेंट, पंचकूला की साझेदारी में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

ग्राउंड वाटरः मेकिंग द इनविजिबल विजिबल थीम पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. मनोज के. पंडित, यूनिवर्सिटी डी पिकार्डी फ्रांस के प्रो. राजबीर सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भारत के संदर्भ में भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उन्होंने जल संसाधनों विशेषकर भूजल संरक्षण और उसके प्रबंधन के विषय में विशेष रूप से प्रयास करने पर जोर दिया। महेंद्रगढ़ व इसके आसपास के इलाकों में योजनागत ढंग से प्रयास करने की आवश्यकता है।

व्याख्यान में विशेषज्ञों को सम्मानित करतीं प्रो. नीलम सांगवान। संवाद

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. मनोज के. पंडित ने जलवायु परिवर्तन में उनके अनु प्रयोगों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने समझाया कि प्राकृतिक संसाधन पानी भविष्य के लिए कितना उपयोगी, जल संरक्षण का महत्व व उसके लिए आवश्यक प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। प्रो. राजबीर सिंह सांगवान ने प्लांट बायो टेक्नोलॉजी एंड मेटाबोलिक इंजीनियरिंग फॉर क्रॉप इंप्रूवमेंट एंड इंडस्ट्रियल एप्लीकेशन विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कैसे जैव और कैस्पर टेक्नोलॉजी रेगिस्तानी क्षेत्रों में पौधे उगाने में सहायक है। इन तकनीकों के माध्यम से वाष्पोत्सर्जन की दर को कम किया जा सकता है। अधिष्ठाता, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अतिथियों का स्वागत किया और विश्व जल दिवस के लिए निर्धारित थीम के विषय में प्रतिभागियों को बताया। उन्होंने भारत में पानी की समस्या और उसकी समान उपलब्धता के विषय में भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की समन्वयक व पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया। उन्होंने इस मौके पर जल संकट से निपटने के लिए नदियों को जोड़ने पर जोर दिया। प्रो. पवन मौर्य और प्रो. सुरिंद्र सिंह ने प्रख्यात वक्ताओं का परिचय कराया।

इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. कल्प भूषण, डॉ. सुषमा, डॉ. मारुति सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में ज्ञान कोर्स का हुआ समापन

महेंद्रगढ़ । हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो सप्ताह से चल रहे ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम का सोमवार को समापन किया गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित इस ज्ञान कार्यक्रम में ड्यूस्टो बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षा मंत्रालय की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से ने सिर्फ प्रतिभागियों को लाभ होगा बल्कि इस तरह के प्रयासों से शिक्षा, शोध के क्षेत्र में नए विकल्प भी उपलब्ध होंगे। ज्ञान कोर्स के लोकल को ऑर्डिनेटर प्रो. गुंजन गोयल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। ज्ञान की कोर्स को ऑर्डिनेटर डॉ. सुनीता तंवर ने कोर्स की रिपोर्ट प्रतिभागियों से सांझा की और बताया कि दो सप्ताह के ऑनलाइन कोर्स में देश के विभिन्न कॉलेज, विश्वविद्यालयों से 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। संवाद

केंद्रीय विवि में ज्ञान कोर्स का हुआ समापन

कार्यक्रम में स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में बीते दो सप्ताह से चल रहे ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम का समापन हो गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित इस ज्ञान कार्यक्रम में डयूस्टों बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षा मंत्रालय की इस पहल का

स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से ने सिर्फ प्रतिभागियों को लाभ होगा बल्कि इस तरह के प्रयासों से शिक्षा व शोध के क्षेत्र में नए विकल्प भी उपलब्ध होंगे। समापन सत्र की शुरुआत में ज्ञान कोर्स के लोकल को-आर्डिनेटर प्रो. गुंजन गोयल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। ज्ञान की कोर्स को-आर्डिनेटर डॉ. सुनीता तंवर ने इस अवसर पर कोर्स की रिपोर्ट प्रतिभागियों से साझा की और बताया कि इस दो सप्ताह के ऑनलाइन कोर्स में देश के विभिन्न कॉलेज व विश्वविद्यालयों से 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि इस कोर्स में प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव के साथ स्पेन की मिस सेनिया भी विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहीं। विशेषज्ञों ने इस कोर्स में भविष्य को ध्यान में रखते हुए नवाचार व उद्यमिता की संभावनाओं पर जोर दिया बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व रोबोटिक विषय पर भी चर्चा की। विशेषज्ञों ने कोर्स के को-ऑर्डिनेटर्स के प्रयासों को सराहा और कहा कि इस कोर्स से प्रतिभागी अवश्य ही लाभांवित होंगे। 'ज्ञान' कोर्स के समापन सत्र प्रो. टंकेश्वर कुमार, डॉ. सुनीता तंवर व प्रो. सीएस यादव द्वारा लिखित एडिटेड बुक का भी विमोचन किया गया। बींग एंटरप्रिन्योर स्किल, स्कोप एंड बियोंड नामक इस पुस्तक में एंटरप्रिन्योरशिप के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया गया है। इस पुस्तक में देश-विदेश के 34 लेखकों ने अपना योगदान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए इस पुस्तक को बहुत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में कोर्स की संयोजक डॉ. सुनीता तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

जल संसाधनों के विकास के लिए भू-जल का संरक्षण व प्रबंधन महत्त्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत आने वाले पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा विश्व जल दिवस 2022 के अंतर्गत एन्वायरमेंट एंड क्लाइमेट चेंज डिपार्टमेंट, पंचकुला, हरियाणा की साझेदारी में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। ग्राउंड वाटरः मेकिंग द इनविजिबल विजिबल थीम पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. मनोज के. पंडित व यूनिवर्सिटी डी पिकार्डी फ्रांस के प्रो. राजबीर सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। वक्ताओं ने भारत में पानी की समस्या और उसकी समान उपलब्धता के विषय में भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की समन्वयक व पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य और प्रो. सुरिंदर सिंह ने प्रख्यात वक्ताओं का परिचय कराया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. कल्प भूषण, डॉ. सुषमा, डॉ. मारुति सहित विभिन्न विभागों के विभागध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि के पांच विद्यार्थियों ने नेट जेआरएफ की परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों का नेट-जेआरएफ की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। इस परीक्षा में जैव रसायन विज्ञान विभाग के चार विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की नेट-सीएसआइआर एवं जेआरएफ तथा एक ने नेट सीएसआइआर की परीक्षा उत्तीर्ण की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि नेट सीएसआइआर-जेआरएफ में सफलता प्राप्त करना विद्यार्थियों व शिक्षकों की लगन मेहनत को प्रदर्शित करता है।

अंतर विषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान एवं जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने विद्यार्थियों को उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने बताया कि विभाग की छात्रा तनुजा मोहंती ने नेट सीएसआइआर-जेआरएफ 86 वां, विकास ने 113 वां, नवीन ने 193 वां तथा मेटल ब्रम्ह ने 271 वां रैंक प्राप्त किया है। वहीं विभाग की छात्रा करीना ने अखिल भारतीय स्तर पर नेट सीएसआइआर में 56 वां रैंक प्राप्त किया है। विद्यार्थियों ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया। विभाग के संकाय डा. अंतरेश कुमार, डा. सौरभ सक्सेना, डा. ऊषा नागराजन एवं डा. मुलाका मारुति ने भी सभी विद्यार्थियों की सफलता पर बधाई दी।

हकेंवि के नेट जेआरएफ में सफल विद्यार्थी • सौजन्य संस्था

अंशुल सैनी ने नेट परीक्षा में 42 वीं रैंक की हासिल

जागरण संवाददाता, नारनौल: सुभाष नगर निवासी अंशुल सैनी ने अखिल भारतीय स्तर पर रसायन शास्त्र विषय में नेट परीक्षा में 42 वीं रैंक प्राप्त कर समाज व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह जानकारी देते हुए अंशुल के पिता मास्टर महेंद्र सैनी ने बताया कि अंशुल शुरू से ही होनहार विद्यार्थी रहा है। अंशुल ने बीएससी दिल्ली विश्वविद्यालय से तथा एमएससी की पढ़ाई कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की थी। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह अंशुल सैनी ने राष्ट्रीय स्तर की गेट की परीक्षा भी पास की। अंशुल सैनी ने इस सफलता का श्रेय अपने परिवार व गुरुजनों के साथ-साथ बड़े भाई मोहित सैनी, रसायन शास्त्र के विभाग अध्यक्ष को दिया है। अंशुल को बधाई देने वालों में मास्टर नवीन सैनी, रामजीलाल सैनी, रोहित सैनी, दौलत राम सैनी नगर परिषद की निवर्तमान चेयरमैन भारती सैनी, सैनी सभा पूर्व प्रधान बिशन कुमार सैनी, सब्जी मंडी के प्रधान अजीत सिंह सैनी, प्रवक्ता मुकेश सैनी, प्रवक्ता संदीप कुमार, मास्टर संजय शर्मा, प्रमोद शास्त्री, मास्टर रवि भारत, मास्टर केसरी नंदन के साथ अनेक गणमान्य जन शामिल रहे।

अंशुल सैनी •

जल संसाधनों के विकास के लिए भूजल संरक्षण व प्रबंधन महत्वपूर्ण :प्रो. टंकेश्वर

विश्व जल दिवस 2022 के अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान का हुआ आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल आफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत आने वाले पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा विश्व जल दिवस 2022 के अंतर्गत एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट चेंज डिपार्टमेंट पंचकूला की साझेदारी में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। ग्राउंड वाटर मेकिंग द इनविजिबल विजिबल थीम पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. मनोज के पंडित व यूनिवर्सिटी डी पिकार्डी फ्रांस के प्रो. राजबीर सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भारत के संदर्भ में भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उन्होंने इस अवसर पर जल संसाधनों विशेषकर भूजल संरक्षण और उसके प्रबंधन के विषय में विशेष रूप से प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ व इसके आसपास के इलाकों में योजनागत तरीके से प्रयास करने की आवश्यकता है।

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में विशेषज्ञों को सम्मानित करती प्रो. नीलम सांगवान • साभार संस्था

प्रो. टंकेश्वर कुमार •

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. मनोज के. पंडित ने अपने संबोधन में जल की हाइड्रो कैमिस्ट्री और जलवायु परिवर्तन में उनके अनुप्रयोग पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने समझाया कि प्राकृतिक संसाधन पानी भविष्य के लिए कितना उपयोगी है। उन्होंने विस्तार से जल संरक्षण की महत्ता व उसके लिए आवश्यक प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। इसी क्रम में प्रो. राजबीर सिंह सांगवान ने प्लांट बायो टेक्नोलॉजी एंड मेटाबोलिक इंजीनियरिंग फार क्राप इम्प्रूवमेंट एंड इंडस्ट्रियल एप्लीकेशन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। प्रो. सांगवान ने बताया कि कैसे जैव और कैस्पर टेक्नोलाजी रेगिस्तानी क्षेत्रों में पौधे उगाने में सहायक है। उन्होंने आगे बताया कि इन तकनीकों के माध्यम से वाष्पोत्सर्जन की दर को कम किया जा सकता है। स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अतिथियों का स्वागत किया और विश्व जल दिवस के लिए निर्धारित थीम के विषय में प्रतिभागियों को बताया। उन्होंने भारत में पानी की समस्या और उसकी समान उपलब्धता के विषय में भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की समन्वयक व पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मोना शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

उन्होंने इस मौके पर जल संकट से निपटने के लिए नदियों को जोड़ने पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य और प्रो. सुरिंदर सिंह ने प्रख्यात वक्ताओं का परिचय कराया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. कांति प्रकाश, डा. मनोज कुमार, डा. कल्प भूषण, डा. सुषमा, डा. मारुति सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में ज्ञान कोर्स का हुआ समापन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बीते दो सप्ताह से चल रहे ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम का समापन हो गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित इस ज्ञान कार्यक्रम में डयूस्टो बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षा मंत्रालय की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से ने सिर्फ प्रतिभागियों को लाभ होगा बल्कि इस तरह के प्रयासों से शिक्षा व शोध के क्षेत्र में नए विकल्प भी उपलब्ध होंगे। समापन सत्र की शुरुआत में ज्ञान कोर्स के लोकल कोआर्डिनेटर प्रो. गुंजन गोयल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। ज्ञान की कोर्स कोआर्डिनेटर डा. सुनीता तंवर ने इस अवसर पर कोर्स की रिपोर्ट प्रतिभागियों से साझा की और बताया कि इस दो सप्ताह के आनलाइन कोर्स में देश के विभिन्न कालेज व विश्वविद्यालयों से 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

आठ विद्यार्थियों का नेट-जेआरएफ में उत्कृष्ट प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के जैवरसायन विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों का नेट-जेआरएफ की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। इस परीक्षा में जैव-रसायन विज्ञान विभाग के चार विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की नेट-सीएसआईआर एवं जेआरएफ तथा एक ने नेट-सीएसआईआर की परीक्षा उत्तीर्ण की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर खुशी जताई और कहा कि लगन एवं मेहनत को प्रदर्शित करता है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Expert Lecture on "Groundwater: Making the invisible Visible"

Newspaper: Amar Ujala **Date: 29-03-2022**

कार्यक्रम

हकेंवि में विश्व जल दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

जल संकट : नदियों को जोड़ने पर दिया जोर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के तहत आने वाले पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा विश्व जल दिवस-2022 के तहत एंवायरमेंट एंड क्लाइमेट चेंज डिपार्टमेंट, पंचकूला की साझेदारी में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

ग्राउंड वाटरः मेकिंग द इनविजिबल विजिबल थीम पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. मनोज के. पंडित, यूनिवर्सिटी डी पिकार्डी फ्रांस के प्रो. राजबीर सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भारत के संदर्भ में भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उन्होंने जल संसाधनों विशेषकर भूजल संरक्षण और उसके प्रबंधन के विषय में विशेष रूप से प्रयास करने पर जोर दिया। महेंद्रगढ़ व इसके आसपास के इलाकों में योजनागत ढंग से प्रयास करने की आवश्यकता है।

व्याख्यान में विशेषज्ञों को सम्मानित करतीं प्रो. नीलम सांगवान। संवाद

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. मनोज के. पंडित ने जलवायु परिवर्तन में उनके अनु प्रयोगों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने समझाया कि प्राकृतिक संसाधन पानी भविष्य के लिए कितना उपयोगी, जल संरक्षण का महत्व व उसके लिए आवश्यक प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। प्रो. राजबीर सिंह सांगवान ने प्लांट बायो टेक्नोलॉजी एंड मेटाबोलिक इंजीनियरिंग फॉर क्रॉप इंप्रूवमेंट एंड इंडस्ट्रियल एप्लीकेशन विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कैसे जैव और कैस्पर टेक्नोलॉजी रेगिस्तानी क्षेत्रों में पौधे उगाने में सहायक है। इन तकनीकों के माध्यम से वाष्पोत्सर्जन की दर को कम किया जा सकता है। अधिष्ठाता, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अतिथियों का स्वागत किया और विश्व जल दिवस के लिए निर्धारित थीम के विषय में प्रतिभागियों को बताया। उन्होंने भारत में पानी की समस्या और उसकी समान उपलब्धता के विषय में भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की समन्वयक व पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया। उन्होंने इस मौके पर जल संकट से निपटने के लिए नदियों को जोड़ने पर जोर दिया। प्रो. पवन मौर्य और प्रो. सुरेंद्र सिंह ने प्रख्यात वक्ताओं का परिचय कराया।

इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. कल्प भूषण, डॉ. सुषमा, डॉ. मारुति सहित विभिन्न विभागों के विभागध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 29-03-2022**

जल संसाधनों के विकास के लिए भू-जल का संरक्षण व प्रबंधन महत्त्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत आने वाले पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा विश्व जल दिवस 2022 के अंतर्गत एन्वायरमेंट एंड क्लाइमेट चेंज डिपार्टमेंट, पंचकुला, हरियाणा की साझेदारी में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। ग्राउंड वाटरः मेकिंग द इनविजिबल विजिबल थीम पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. मनोज के. पंडित व यूनिवर्सिटी डी पिकार्डी फ्रांस के प्रो. राजबीर सिंह सांगवान

विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। वक्ताओं ने भारत में पानी की समस्या और उसकी समान उपलब्धता के विषय में भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की समन्वयक व पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य और प्रो. सुरिंदर सिंह ने प्रख्यात वक्ताओं का परिचय कराया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. कल्प भूषण, डॉ. सुषमा, डॉ. मारुति सहित विभिन्न विभागों के विभागध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 29-03-2022**

जल संसाधनों के विकास के लिए भूजल संरक्षण व प्रबंधन महत्वपूर्ण :प्रो. टंकेश्वर

विश्व जल दिवस 2022 के अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान का हुआ आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल आफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत आने वाले पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा विश्व जल दिवस 2022 के अंतर्गत एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट चेंज डिपार्टमेंट पंचकूला की साझेदारी में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। ग्राउंड वाटर मेकिंग द इनविजिबल विजिबल थीम पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. मनोज के पंडित व यूनिवर्सिटी डी पिकार्डी फ्रांस के प्रो. राजबीर सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

हकेवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में विशेषज्ञों को सम्मानित करती प्रो. नीलम सांगवान • साभार संस्था

प्रो. टंकेश्वर कुमार •

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भारत के संदर्भ में भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उन्होंने इस अवसर पर जल संसाधनों विशेषकर भूजल संरक्षण और उसके प्रबंधन के विषय में विशेष रूप से प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ व इसके आसपास के इलाकों में योजनागत तरीके से प्रयास करने की आवश्यकता है।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. मनोज के. पंडित ने अपने संबोधन में जल की हाइड्रो कैमिस्ट्री और जलवायु परिवर्तन में उनके अनुप्रयोग पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने समझाया कि प्राकृतिक संसाधन पानी भविष्य के लिए कितना उपयोगी है। उन्होंने विस्तार से जल संरक्षण की महत्ता व उसके लिए आवश्यक प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। इसी क्रम में प्रो. राजबीर सिंह सांगवान ने प्लांट बायो टेक्नोलॉजी एंड मेटाबोलिक इंजीनियरिंग फार क्राप इम्प्रूवमेंट एंड इंडस्ट्रियल एप्लीकेशन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। प्रो. सांगवान ने बताया कि कैसे जैव और कैस्पर टेक्नोलाजी रेगिस्तानी क्षेत्रों में पौधे उगाने में सहायक है। उन्होंने आगे बताया कि इन तकनीकों के माध्यम से वाष्पोत्सर्जन की दर को कम किया जा सकता है। स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अतिथियों का स्वागत किया और विश्व जल दिवस के लिए निर्धारित थीम के विषय में प्रतिभागियों को बताया। उन्होंने भारत में पानी की समस्या और उसकी समान उपलब्धता के विषय में भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की समन्वयक व पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मोना शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

उन्होंने इस मौके पर जल संकट से निपटने के लिए नदियों को जोड़ने पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य और प्रो. सुरिंदर सिंह ने प्रख्यात वक्ताओं का परिचय कराया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. कांति प्रकाश, डा. मनोज कुमार, डा. कल्प भूषण, डा. सुषमा, डा. मारुति सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 29-03-2022**

जल संसाधनों के विकास के लिए भूजल का संरक्षण व प्रबंधन महत्वपूर्ण : प्रो . टंकेश्वर कुमार

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में विशेषज्ञों को सम्मानित करतीं प्रो. नीलम सांगवान।

महेंद्रगढ़, 28 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत आने वाले पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा विश्व जल दिवस 2022 के अंतर्गत एन्वायरनमैंट एंड क्लाइमेट चेंज डिपार्टमैंट, पंचकूला, हरियाणा की सांझेदारी में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। ग्राऊंड वाटर: मेकिंग द इनविजिबल विजिबल थीम पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. मनोज के. पंडित व यूनिवर्सिटी डी पिकार्डी फ्रांस के प्रो. राजबीर सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भारत के संदर्भ में भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है।

उन्होंने इस अवसर पर जल संसाधनों विशेषकर भूजल संरक्षण और उसके प्रबंधन के विषय में विशेष रूप से प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ व इसके आसपास के इलाकों में योजनागत ढंग से प्रयास करने की आवश्यकता है।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. मनोज के पंडित ने अपने संबोधन में जल की हाइड्रोकैमिस्ट्री और जलवायु परिवर्तन में उनके अनुप्रयोगों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने समझाया कि प्राकृतिक संसाधन पानी भविष्य के लिए कितना उपयोगी है। उन्होंने विस्तार से जल संरक्षण की महत्ता व उसके लिए आवश्यक प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। इसी क्रम में प्रो. राजबीर सिंह सांगवान ने प्लांट बायोटैक्नोलॉजी एंड मेटाबोलिक इंजीनियरिंग फॉर क्रॉप इम्प्रूवमैंट एंड इंडस्ट्रीयल एप्लीकेशन विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

जैव और कैस्पर टैक्नोलॉजी रेगिस्तानी क्षेत्रों में पौधे उगाने में सहायक

प्रो. सांगवान ने बताया कि कैसे जैव और कैस्पर टैक्नोलॉजी रेगिस्तानी क्षेत्रों में पौधे उगाने में सहायक है। उन्होंने आगे बताया कि इन तकनीकों के माध्यम से वाष्पोत्सर्जन की दर को कम किया जा सकता है। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अतिथियों का स्वागत किया और विश्व जल दिवस के लिए निर्धारित थीम के विषय में प्रतिभागियों को बताया। उन्होंने भारत में पानी की समस्या और उसकी समान उपलब्धता के विषय में भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की समन्वयक व पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

उन्होंने इस मौके पर जल संकट से निपटने के लिए नदियों को जोड़ने पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य और प्रो. सुरिंद्र सिंह ने प्रख्यात वक्ताओं का परिचय कराया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. कल्प भूषण, डॉ. सुषमा, डॉ. मारुति सहित विभिन्न विभागों के विभागध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 30-03-2022**

LECTURE ON GROUNDWATER

Mahendragarh: The department of environmental studies, School of Interdisciplinary and Applied Sciences at Central University of Haryana (CUH) celebrated the World Water Dayby organising a lecture on "Groundwater: Making the invisible visible" in collaboration with the environment and climate change department, Panchkula. Prof Manoj K Pandit from the University of Rajasthan, Jaipur and Prof Rajbir Singh Sangwan from France were the key speakers. Vice Chancellor Prof Tankeshwar Kumar said pure water was going to be one of the major problems in future. He highlighted the need of water resources and specially emphasised on groundwater conservation and management.

The Tribune Wed, 30 March 2022 https://epaper.tribun

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

'GIAN' Programme on Strategic Foresight and Innovation: Megatrends that reshape our world

(Valedictory Session)

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 29-03-2022**

हकेंवि में ज्ञान कोर्स का हुआ समापन

स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

महेंद्रगढ़, 28 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बीते 2 सप्ताह से चल रहे ग्लोबल इंस्टीच्यूट फॉर एकैडमिक नैटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम का समापन हो गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित इस ज्ञान कार्यक्रम में डयूस्टों बिजनैस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षा मंत्रालय की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से ने सिर्फ प्रतिभागियों को लाभ होगा बल्कि इस तरह के प्रयासों से शिक्षा व शोध के क्षेत्र में नए विकल्प भी उपलब्ध होंगे।

समापन सत्र की शुरुआत में ज्ञान कोर्स के लोकल को-आर्डिनेटर प्रो. गुंजन गोयल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। ज्ञान की कोर्स को-आर्डिनेटर डॉ. सुनीता तंवर ने इस अवसर पर कोर्स की रिपोर्ट प्रतिभागियों से साझा की और बताया कि इस दो सप्ताह के ऑनलाइन कोर्स में देश के विभिन्न कॉलेज व विश्वविद्यालयों से 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि इस कोर्स में प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव के साथ स्पेन की मिस सेनिया भी विशेषज्ञ के रूप में उपसिथत रहीं। विशेषज्ञों ने इस कोर्स में भविष्य को ध्यान में रखते हुए नवाचार व उद्यमिता की संभावनाओं पर जोर दिया बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व रोबोटिक विषय पर भी चर्चा की।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विशेषज्ञों ने कोर्स के कोर्डिनेटर्स के प्रयासों को सराहा और कहा कि इस कोर्स से प्रतिभागी अवश्य ही लाभांवित होंगे।

'ज्ञान' कोर्स के समापन सत्र प्रो. टंकेश्वर कुमार, डॉ. सुनीता तंवर व प्रो. सी.एस. यादव द्वारा लिखित एडिटेड बुक का भी विमोचन किया गया। 'बीिंग एंटप्रिन्योर: स्किल, स्कोप एंड बियोंड' नामक इस पुस्तक में एंटप्रिन्योरशिप के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस पुस्तक में देश-विदेश के 34 लेखकों ने अपना योगदान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए इस पुस्तक को बहुत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में कोर्स की संयोजक डॉ. सुनीता तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 29-03-2022**

केंद्रीय विवि में ज्ञान कोर्स का हुआ समापन

कार्यक्रम में स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में बीते दो सप्ताह से चल रहे ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम का समापन हो गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित इस ज्ञान कार्यक्रम में डयूस्टों बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षा मंत्रालय की इस पहल का

स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से ने सिर्फ प्रतिभागियों को लाभ होगा बल्कि इस तरह के प्रयासों से शिक्षा व शोध के क्षेत्र में नए विकल्प भी उपलब्ध होंगे। समापन सत्र की शुरुआत में ज्ञान कोर्स के लोकल को-आर्डिनेटर प्रो. गुंजन गोयल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। ज्ञान की कोर्स को-आर्डिनेटर डॉ. सुनीता तंवर ने इस अवसर पर कोर्स की रिपोर्ट प्रतिभागियों से साझा की और बताया कि इस दो सप्ताह के ऑनलाइन कोर्स में देश के विभिन्न कॉलेज व विश्वविद्यालयों से 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि इस कोर्स में प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव के साथ स्पेन की मिस सेनिया भी विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहीं। विशेषज्ञों ने इस कोर्स में भविष्य को ध्यान में रखते हुए नवाचार व उद्यमिता की संभावनाओं पर जोर दिया बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व रोबोटिक विषय पर भी चर्चा की। विशेषज्ञों ने कोर्स के को-ऑर्डिनेटर्स के प्रयासों को सराहा और कहा कि इस कोर्स से प्रतिभागी अवश्य ही लाभांवित होंगे। 'ज्ञान' कोर्स के समापन सत्र प्रो. टंकेश्वर कुमार, डॉ. सुनीता तंवर व प्रो. सीएस यादव द्वारा लिखित एडिटेड बुक का भी विमोचन किया गया। बींग एंटरप्रिन्योर स्किल, स्कोप एंड बियोंड नामक इस पुस्तक में एंटरप्रिन्योरशिप के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया गया है। इस पुस्तक में देश-विदेश के 34 लेखकों ने अपना योगदान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए इस पुस्तक को बहुत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में कोर्स की संयोजक डॉ. सुनीता तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 29-03-2022**

हकेंवि में ज्ञान कोर्स का हुआ समापन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बीते दो सप्ताह से चल रहे ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम का समापन हो गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित इस ज्ञान कार्यक्रम में डयूस्टों बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षा मंत्रालय की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से ने सिर्फ प्रतिभागियों को लाभ होगा बल्कि इस तरह के प्रयासों से शिक्षा व शोध के क्षेत्र में नए विकल्प भी उपलब्ध होंगे। समापन सत्र की शुरुआत में ज्ञान कोर्स के लोकल कोआर्डिनेटर प्रो. गुंजन गोयल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। ज्ञान की कोर्स कोआर्डिनेटर डा. सुनीता तंवर ने इस अवसर पर कोर्स की रिपोर्ट प्रतिभागियों से साझा की और बताया कि इस दो सप्ताह के आनलाइन कोर्स में देश के विभिन्न कालेज व विश्वविद्यालयों से 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 29-03-2022**

हकेंवि में ज्ञान कोर्स का हुआ समापन

महेंद्रगढ़ । हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो सप्ताह से चल रहे ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम का सोमवार को समापन किया गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित इस ज्ञान कार्यक्रम में ड्यूस्टो बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षा मंत्रालय की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से ने सिर्फ प्रतिभागियों को लाभ होगा बल्कि इस तरह के प्रयासों से शिक्षा, शोध के क्षेत्र में नए विकल्प भी उपलब्ध होंगे। ज्ञान कोर्स के लोकल को ऑर्डिनेटर प्रो. गुंजन गोयल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। ज्ञान की कोर्स को ऑर्डिनेटर डॉ. सुनीता तंवर ने कोर्स की रिपोर्ट प्रतिभागियों से सांझा की और बताया कि दो सप्ताह के ऑनलाइन कोर्स में देश के विभिन्न कॉलेज, विश्वविद्यालयों से 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। संवाद

जैव रसायन विज्ञान विभाग के 5 विद्यार्थियों ने नैट/जे.आर.एफ. की परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को फाइल फोटो।

महेंद्रगढ़, 28 मार्च (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के जैवरसायन विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों का नैट-जे.आर.एफ. की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। इस परीक्षा में जैवरसायन विज्ञान विभाग के 4 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की नैट-सी.एस.आई.आर. एवं जे.आर.एफ. तथा एक ने नैट/सी.एस.आई.आर. की परीक्षा उत्तीर्ण की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि नैट/सी.एस.आई.आर.-जे.आर.एफ. में सफलता प्राप्त करना विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की लगन एवं मेहनत को प्रदर्शित करता है। अंतरविषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान एवं जैवरसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने बताया कि विभाग की छात्रा तनुजा मोहंती ने नैट/सी.एस.आई.आर.जे.आर.एफ. 86वां, विकास ने 113वां, नवीन ने 193वां तथा मेटल ब्रह्म ने 271वां रैंक प्राप्त किया है, वहीं विभाग की छात्रा करीना ने अखिल भारतीय स्तर पर नैट/सी.एस.आई.आर. में 56वां रैंक प्राप्त किया है। विद्यार्थियों ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया।

विभाग के संकाय डॉ. अन्तरेश कुमार, डॉ. सौरभ सक्सेना, डॉ. ऊषा नागराजन एवं डॉ. मुलाका मारुती ने भी सभी विद्यार्थियों की सफलता पर बधाई दी।

जल संसाधनों के विकास के लिए भूजल का संरक्षण व प्रबंधन महत्वपूर्ण : प्रो . टंकेश्वर कुमार

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में विशेषज्ञों को सम्मानित करतीं प्रो. नीलम सांगवान।

महेंद्रगढ़, 28 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत आने वाले पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा विश्व जल दिवस 2022 के अंतर्गत एन्वायरनमैंट एंड क्लाइमेट चेंज डिपार्टमैंट, पंचकूला, हरियाणा की सांझेदारी में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। ग्राऊंड वाटर: मेकिंग द इनविजिबल विजिबल थीम पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. मनोज के. पंडित व यूनिवर्सिटी डी पिकार्डी फ्रांस के प्रो. राजबीर सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भारत के संदर्भ में भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है।

उन्होंने इस अवसर पर जल संसाधनों विशेषकर भूजल संरक्षण और उसके प्रबंधन के विषय में विशेष रूप से प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ व इसके आसपास के इलाकों में योजनागत ढंग से प्रयास करने की आवश्यकता है।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. मनोज के पंडित ने अपने संबोधन में जल की हाइड्रोकैमिस्ट्री और जलवायु परिवर्तन में उनके अनुप्रयोगों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने समझाया कि प्राकृतिक संसाधन पानी भविष्य के लिए कितना उपयोगी है। उन्होंने विस्तार से जल संरक्षण की महत्ता व उसके लिए आवश्यक प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। इसी क्रम में प्रो. राजबीर सिंह सांगवान ने प्लांट बायोटैक्नोलॉजी एंड मेटाबोलिक इंजीनियरिंग फॉर क्रॉप इम्प्रूवमैंट एंड इंडस्ट्रीयल एप्लीकेशन विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

जैव और कैस्पर टैक्नोलॉजी रेगिस्तानी क्षेत्रों में पौधे उगाने में सहायक

प्रो. सांगवान ने बताया कि कैसे जैव और कैस्पर टैक्नोलॉजी रेगिस्तानी क्षेत्रों में पौधे उगाने में सहायक है। उन्होंने आगे बताया कि इन तकनीकों के माध्यम से वाष्पोत्सर्जन की दर को कम किया जा सकता है। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अतिथियों का स्वागत किया और विश्व जल दिवस के लिए निर्धारित थीम के विषय में प्रतिभागियों को बताया। उन्होंने भारत में पानी की समस्या और उसकी समान उपलब्धता के विषय में भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की समन्वयक व पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

उन्होंने इस मौके पर जल संकट से निपटने के लिए नदियों को जोड़ने पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य और प्रो. सुरिंद्र सिंह ने प्रख्यात वक्ताओं का परिचय कराया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. कल्प भूषण, डॉ. सुषमा, डॉ. मारुति सहित विभिन्न विभागों के विभागध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में ज्ञान कोर्स का हुआ समापन

स्पेन के प्रो. वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

महेंद्रगढ़, 28 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बीते 2 सप्ताह से चल रहे ग्लोबल इंस्टीच्यूट फॉर एकैडमिक नैटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम का समापन हो गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित इस ज्ञान कार्यक्रम में डयूस्टों बिजनैस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षा मंत्रालय की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से ने सिर्फ प्रतिभागियों को लाभ होगा बल्कि इस तरह के प्रयासों से शिक्षा व शोध के क्षेत्र में नए विकल्प भी उपलब्ध होंगे।

समापन सत्र की शुरुआत में ज्ञान कोर्स के लोकल को-आर्डिनेटर प्रो. गुंजन गोयल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। ज्ञान की कोर्स को-आर्डिनेटर डॉ. सुनीता तंवर ने इस अवसर पर कोर्स की रिपोर्ट प्रतिभागियों से साझा की और बताया कि इस दो सप्ताह के ऑनलाइन कोर्स में देश के विभिन्न कॉलेज व विश्वविद्यालयों से 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि इस कोर्स में प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव के साथ स्पेन की मिस सेनिया भी विशेषज्ञ के रूप में उपसिथत रहीं। विशेषज्ञों ने इस कोर्स में भविष्य को ध्यान में रखते हुए नवाचार व उद्यमिता की संभावनाओं पर जोर दिया बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व रोबोटिक विषय पर भी चर्चा की।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विशेषज्ञों ने कोर्स के कोर्डिनेटर्स के प्रयासों को सराहा और कहा कि इस कोर्स से प्रतिभागी अवश्य ही लाभांवित होंगे।

'ज्ञान' कोर्स के समापन सत्र प्रो. टंकेश्वर कुमार, डॉ. सुनीता तंवर व प्रो. सी.एस. यादव द्वारा लिखित एडिटेड बुक का भी विमोचन किया गया। 'बींग एंटप्रिन्योर: स्किल, स्कोप एंड बियोंड' नामक इस पुस्तक में एंटप्रिन्योरशिप के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस पुस्तक में देश-विदेश के 34 लेखकों ने अपना योगदान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए इस पुस्तक को बहुत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में कोर्स की संयोजक डॉ. सुनीता तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

'प्राकृतिक संसाधनों को सहेजने की जरूरत'

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत विकास, जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रमोशन ऑफ सस्टेनेबल मैटीरियल सेल द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवॉर्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सकें।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने करवाया। रमेश गोयल ने कहा कि हमें पानी के एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचय की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा पानी बिन सब सून और जल मनका के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया जल संरक्षण को उन्होंने अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों के साथ मिलकर उन्हें पानी बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें री साइकिल और रि यूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। सतत विकास के लिए सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया।

पानी की बूंद-बूंद का महत्व समझना होगा : गोयल

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'सतत विकास, जल और बिजली संरक्षण' विषय पर हुआ वेबिनार

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्त्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसाइकिल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि सतत विकास हेतु सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में सतत विकास जल और बिजली संरक्षण पर वेबिनार आयोजित की गई

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विवि के प्रमोशन आफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डा. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। इस अवसर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा पानी बिन सब सून और जल मनका के बारे में भी चर्चा की। मुख्य वक्ता ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया जल संरक्षण को उन्होंने अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विवि द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विवि के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि सतत विकास के लिए सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते मुख्य वक्ता रमेश गोयल ● सा संस्था

अब साझा विवि प्रवेश परीक्षा साल में दो बार!

नयी दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसी)

यूजीसी अध्यक्ष बोले- एनटीए कर रहा विचार

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष जगदीश कुमार ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) अगले सत्र से एक साल में दो बार साझा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) का आयोजन करने पर विचार करेगी। कुमार ने कहा कि सीयूईटी से न तो बोर्ड परीक्षाओं की प्रासंगिकता समाप्त होगी और न ही इससे 'कोचिंग की संस्कृति' को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्नातक पाठ्यक्रम दाखिला प्रक्रिया में राज्य बोर्ड के छात्रों को नुकसान नहीं होगा। सीयूईटी का आयोजन कराने की जिम्मेदारी एनटीए की है। कुमार ने कहा कि सीयूईटी का काम केवल केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले तक ही सीमित नहीं होगा, क्योंकि कई प्रतिष्ठित निजी विश्वविद्यालयों ने संकेत दिया है कि वे स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा के अंकों का इस्तेमाल करने के इच्छुक हैं।

कुमार ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए 12वीं कक्षा के अंक नहीं, बल्कि सीयूईटी के अंकों का उपयोग अनिवार्य होगा और केंद्रीय विश्वविद्यालय अपना न्यूनतम पात्रता मापदंड तय कर सकते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या इस परीक्षा से स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 'कोचिंग संस्कृति' को बढ़ावा मिलेगा, कुमार ने कहा, 'परीक्षा के लिए किसी कोचिंग की आवश्यकता नहीं होगी, इसलिए इससे कोचिंग संस्कृति को बढ़ावा मिलने का सवाल ही पैदा नहीं होता। परीक्षा पूरी तरह 12वीं के पाठ्यक्रम पर आधारित होगी। कई छात्रों को इस बात की चिंता है कि क्या परीक्षा में 11वीं कक्षा के पाठ्यक्रम के भी सवाल पूछे जाएंगे, तो इसका जवाब है 'नहीं'।'

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 30 March 2022
https://epaper.dainiktribuneonline.com/c/67135455

- हकेंवि में सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर वेबिनार का आयोजन

सभी को पानी की बूंद-बूंद का महत्व समझना होगा: गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते मुख्य वक्ता रमेश गोयल। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसायकल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

National Webinar on Sustainable Developments Water and Electricity Conservation

Newspaper: Amar Ujala **Date: 30-03-2022**

'प्राकृतिक संसाधनों को सहेजने की जरूरत'

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत विकास, जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रमोशन ऑफ सस्टेनेबल मैटीरियल सेल द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवॉर्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सकें।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने करवाया। रमेश गोयल ने कहा कि हमें पानी के एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचय की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा पानी बिन सब सून और जल मनका के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया जल संरक्षण को उन्होंने अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों के साथ मिलकर उन्हें पानी बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें री साइकिल और रि यूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। सतत विकास के लिए सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया।

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 30-03-2022**

पानी की बूंद-बूंद का महत्व समझना होगा : गोयल

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'सतत विकास, जल और बिजली संरक्षण' विषय पर हुआ वेबिनार

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्त्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसाइकिल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि सतत विकास हेतु सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 30-03-2022**

हकेंवि में सतत विकास जल और बिजली संरक्षण पर वेबिनार आयोजित की गई

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विवि के प्रमोशन आफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डा. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। इस अवसर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा पानी बिन सब सून और जल मनका के बारे में भी चर्चा की। मुख्य वक्ता ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया जल संरक्षण को उन्होंने अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विवि द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विवि के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि सतत विकास के लिए सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते मुख्य वक्ता रमेश गोयल ● सा संस्था

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 30-03-2022**

- हकेंवि में सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर वेबिनार का आयोजन

सभी को पानी की बूंद-बूंद का महत्व समझना होगा: गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसायकल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया।

महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते मुख्य वक्ता रमेश गोयल। फोटो : हरिभूमि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 30-03-2022**

वर्षा जल संचयन से भूजल संरक्षण होगा सहज: गोयल

ह.कें.वि. में सतत् विकास जल व बिजली संरक्षण पर वैबिनार आयोजित

महेंद्रगढ़, 28 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत् विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मैटीरियल सैल द्वारा आयोजित इस वैबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके।

ह.कें.वि. में आयोजित राष्ट्रीय वैबिनार को संबोधित करते मुख्य वक्ता रमेश गोयल।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वैबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने दिया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा। हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की विशेष व्यवस्था करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। इस अवसर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा 'पानी बिन सब सून' और 'जल मनका' के बारे में भी चर्चा की।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत् विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मैटीरियल सैल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसाइकिल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस. नायक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने दिया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 30-03-2022**

पानी की बूंद-बूंद का महत्त्व समझना होगा : रमेश गोयल

हकेवि में सतत विकास जल और बिजली संरक्षण पर वेबिनार आयोजित

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। मुख्य

वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्त्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। इस अवसर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा 'पानी बिन सब सून' और 'जल मनका' के बारे में भी चर्चा की। मुख्य वक्ता ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया जल संरक्षण को उन्होंने अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसायकल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि सतत विकास हेतु सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 30-03-2022**

'प्राकृतिक संसाधनों को सहेजने की जरूरत'

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत विकास, जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रमोशन ऑफ सस्टेनेबल मैटीरियल सेल द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवॉर्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सकें।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने करवाया। रमेश गोयल ने कहा कि हमें पानी के एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचय की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा पानी बिन सब सून और जल मनका के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया जल संरक्षण को उन्होंने अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों के साथ मिलकर उन्हें पानी बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें री साइकिल और रि यूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। सतत विकास के लिए सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया।

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 30-03-2022**

पानी की बूंद-बूंद का महत्व समझना होगा : गोयल

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'सतत विकास, जल और बिजली संरक्षण' विषय पर हुआ वेबिनार

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्त्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसाइकिल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि सतत विकास हेतु सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 30-03-2022**

हकेंवि में सतत विकास जल और बिजली संरक्षण पर वेबिनार आयोजित की गई

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विवि के प्रमोशन आफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डा. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। इस अवसर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा पानी बिन सब सून और जल मनका के बारे में भी चर्चा की। मुख्य वक्ता ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया जल संरक्षण को उन्होंने अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विवि द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विवि के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि सतत विकास के लिए सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते मुख्य वक्ता रमेश गोयल ● सा संस्था

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 30-03-2022**

- हकेंवि में सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर वेबिनार का आयोजन

सभी को पानी की बूंद-बूंद का महत्व समझना होगा: गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसायकल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया।

महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते मुख्य वक्ता रमेश गोयल। फोटो : हरिभूमि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 30-03-2022**

वर्षा जल संचयन से भूजल संरक्षण होगा सहज: गोयल

ह.कें.वि. में सतत् विकास जल व बिजली संरक्षण पर वैबिनार आयोजित

महेंद्रगढ़, 28 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत् विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मैटीरियल सैल द्वारा आयोजित इस वैबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके।

ह.कें.वि. में आयोजित राष्ट्रीय वैबिनार को संबोधित करते मुख्य वक्ता रमेश गोयल।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वैबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने दिया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा। हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की विशेष व्यवस्था करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। इस अवसर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा 'पानी बिन सब सून' और 'जल मनका' के बारे में भी चर्चा की।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत् विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मैटीरियल सैल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसाइकिल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस. नायक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने दिया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 30-03-2022**

पानी की बूंद-बूंद का महत्त्व समझना होगा : रमेश गोयल

हकेवि में सतत विकास जल और बिजली संरक्षण पर वेबिनार आयोजित

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। मुख्य

वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्त्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। इस अवसर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा 'पानी बिन सब सून' और 'जल मनका' के बारे में भी चर्चा की। मुख्य वक्ता ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया जल संरक्षण को उन्होंने अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसायकल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि सतत विकास हेतु सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 30-03-2022**

LECTURE ON GROUNDWATER

Mahendragarh: The department of environmental studies, School of Interdisciplinary and Applied Sciences at Central University of Haryana (CUH) celebrated the World Water Dayby organising a lecture on "Groundwater: Making the invisible visible" in collaboration with the environment and climate change department, Panchkula. Prof Manoj K Pandit from the University of Rajasthan, Jaipur and Prof Rajbir Singh Sangwan from France were the key speakers. Vice Chancellor Prof Tankeshwar Kumar said pure water was going to be one of the major problems in future. He highlighted the need of water resources and specially emphasised on groundwater conservation and management.

The Tribune Wed, 30 March 2022 https://epaper.tribun

वर्षा जल संचयन से भूजल संरक्षण होगा सहज: गोयल

■ह.कें.वि. में सतत् विकास जल व बिजली संरक्षण पर वैबिनार आयोजित

महेंद्रगढ़, 28 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत् विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मैटीरियल सैल द्वारा आयोजित इस वैबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके।

ह.कें.वि. में आयोजित राष्ट्रीय वैबिनार को संबोधित करते मुख्य वक्ता रमेश गोयल।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वैबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने दिया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा। हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की विशेष व्यवस्था करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। इस अवसर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा 'पानी बिन सब सून' और 'जल मनका' के बारे में भी चर्चा की।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत् विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मैटीरियल सैल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसाइकिल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस. नायक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने दिया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

पानी की बूंद-बूंद का महत्त्व समझना होगा : रमेश गोयल

हकेवि में सतत विकास जल और बिजली संरक्षण पर वेबिनार आयोजित

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। मुख्य

वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्त्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। इस अवसर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा 'पानी बिन सब सून' और 'जल मनका' के बारे में भी चर्चा की। मुख्य वक्ता ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया जल संरक्षण को उन्होंने अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसायकल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि सतत विकास हेतु सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

LECTURE ON GROUNDWATER

Mahendragarh: The department of environmental studies, School of Interdisciplinary and Applied Sciences at Central University of Haryana (CUH) celebrated the World Water Dayby organising a lecture on "Groundwater: Making the invisible visible" in collaboration with the environment and climate change department, Panchkula. Prof Manoj K Pandit from the University of Rajasthan, Jaipur and Prof Rajbir Singh Sangwan from France were the key speakers. Vice Chancellor Prof Tankeshwar Kumar said pure water was going to be one of the major problems in future. He highlighted the need of water resources and specially emphasised on groundwater conservation and management.

The Tribune
Wed, 30 March 2022
https://epaper.tribun

हकेंवि में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

करिअर इन लाइफ साइंसेज : एकेडमिया एंड बियोंड विषय पर हुई चर्चा

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग द्वारा करिअर इन लाइफ साइंसेज : एकेडमिया एंड बियोंड विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मेटिस हाइव की सह संस्थापक डॉ. निधि खुराना, जर्नल ऑफ विजुअलाइज्ड एक्सपेरिमेंट्स (जोव) की प्रोडेक्ट मैनेजर डॉ. कल्याणी और हंट्समेन कोरपोरेशन के सम्राट सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ इंटर डिसीपलीन एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने वक्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. निधि और डॉ. कल्याणी ने लाइफ साइंसेज के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने लाइफ साइंसेज क्षेत्र की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण पर भी विस्तृत चर्चा की। दोनों विशेषज्ञों ने नेटवर्किंग, कम्यूनिकेशन और व्यक्तिगत ब्रांड विकसित करने पर एक सत्र आयोजित किया। इसी क्रम में अन्य विशेषज्ञ सम्राट सिंह ने ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार गुणवत्ता मूल्यांकन और उत्पादों के प्रबंधन पर व्याख्यान दिया।

हरियाणा केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़। संवाद

उन्होंने निर्माण एवं फीडबैक प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला। सवाल-जवाब सत्र के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, जैवरसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, कार्यक्रम संयोजक डॉ. मारुति मुलका, आयोजन समिति सदस्य डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. ऊषा नागराजन, डॉ. सौरभ सक्सेना सहित विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक, संकाय सदस्य, विद्यार्थी शामिल हुए।

हकेंवि में लाइफ साइंसेज के विद्यार्थियों को विभिन्न अवसरों से कराया अवगत

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग द्वारा करियर इन लाइफ साइंसेज - एकेडमिया एंड बियोंड विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन में आयोजित इस वेबिनार में मेटिस हाइव की सह-संस्थापक डॉ. निधि खुराना, जर्नल ऑफ विजुअलाइज्ड एक्सपेरिमेंटस् (जोव) की प्रोडेक्ट मैनेजर डॉ. कल्याणी और हंट्समेन कॉरपोरेशन के सम्राट सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. निधि और डॉ. कल्याणी ने लाइफ साइंसेज के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

गुणवत्ता मूल्यांकन और उत्पादों के प्रबंधन पर व्याख्यान दिया

उन्होंने लाइफ साइंसेज क्षेत्र की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण पर भी विस्तृत चर्चा की। दोनों विशेषज्ञों ने नेटवर्किंग, कम्युनिकेशन और व्यक्तिगत ब्रांड विकसित करने पर एक सत्र आयोजित किया। इसी क्रम में अन्य विशेषज्ञ सम्राट सिंह ने ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार गुणवत्ता मूल्यांकन और उत्पादों के प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। वेबिनार में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, कार्यक्रम संयोजक डॉ. मारुति मुलका, आयोजन समिति सदस्य डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उषा नागराजन, डॉ. सौरभ सक्सेना सहित विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक, संकाय सदस्य व विद्यार्थी शामिल हुए।

हकेंवि में राष्ट्रीय वेबिनार का हुआ आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग द्वारा करियर इन लाइफ साइंसेजः एकेडमिया एंड बियोंड विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन में आयोजित इस वेबिनार में मेटिस हाइव की सह-संस्थापक डा. निधि खुराना, जर्नल ऑफ विजुअलाइज्ड एक्सपेरिमेंट्स (जोव) की प्रोडेक्ट मैनेजर डा. कल्याणी और हंट्समेन कोरपोरेशन के सम्राट सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डा. निधि और डॉ. कल्याणी ने लाइफ साइंसेज के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने लाइफ साइंसेज क्षेत्र की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण पर भी विस्तृत चर्चा की। दोनों विशेषज्ञों ने नेटवर्किंग, कम्यूनिकेशन और व्यक्तिगत ब्रांड विकसित करने पर एक-सत्र आयोजित किया। इसी क्रम में अन्य विशेषज्ञ सम्राट सिंह ने ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार गुणवत्ता मूल्यांकन और उत्पादों के प्रबंधन पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने इस अवसर पर निर्माण एवं फीडबैक प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला। सवाल-जवाब सत्र के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, कार्यक्रम संयोजक डा. मारुति मुलका, आयोजन समिति सदस्य डा. अंतरेश कुमार, डा. उषा नागराजन, डा. सौरभ सक्सेना सहित विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक, संकाय सदस्य व विद्यार्थी शामिल हुए।

विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से अवगत कराया

■ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विश्वविद्यालय।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैवरसायन विज्ञान विभाग द्वारा करियर इन लाइफ साइंसेजः एकेडमिया एंड बियोंड विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा में आयोजित इस वेबिनार में मेटिस हाइव की सह-संस्थापक डा. निधि खुराना, जर्नल ऑफ विजुअलाइज्ड एक्सपेरिमेंट्स की प्रोडेक्ट मैनेजर डा. कल्याणी और हंट्समेन कोरपोरेशन के सम्राट सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डा. निधि और डा. कल्याणी ने लाइफ साइंसेज के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से छात्रों को अवगत कराया। उन्होंने लाइफ साइंसेज क्षेत्र की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण पर भी विस्तृत चर्चा की। नेटवर्किंग, कम्यूनिकेशन और व्यक्तिगत ब्रांड विकसित करने पर एक-सत्र आयोजित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 31-03-2022**

हकेंवि में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

करिअर इन लाइफ साइंसेज : एकेडमिया एंड बियोंड विषय पर हुई चर्चा

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग द्वारा करिअर इन लाइफ साइंसेज : एकेडमिया एंड बियोंड विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मेटिस हाइव की सह संस्थापक डॉ. निधि खुराना, जर्नल ऑफ विजुअलाइज्ड एक्सपेरिमेंट्स (जोव) की प्रोडेक्ट मैनेजर डॉ. कल्याणी और हंट्समेन कोरपोरेशन के सम्राट सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ इंटर डिसीपलीन एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने वक्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. निधि और डॉ. कल्याणी ने

हरियाणा केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़। संवाद

लाइफ साइंसेज के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने लाइफ साइंसेज क्षेत्र की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण पर भी विस्तृत चर्चा की। दोनों विशेषज्ञों ने नेटवर्किंग, कम्यूनिकेशन और व्यक्तिगत ब्रांड विकसित करने पर एक सत्र आयोजित किया। इसी क्रम में अन्य विशेषज्ञ सम्राट सिंह ने ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार गुणवत्ता मूल्यांकन और उत्पादों के प्रबंधन पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने निर्माण एवं फीडबैक प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला। सवाल-जवाब सत्र के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, जैवरसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, कार्यक्रम संयोजक डॉ. मारुति मुलका, आयोजन समिति सदस्य डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. ऊषा नागराजन, डॉ. सौरभ सक्सेना सहित विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक, संकाय सदस्य, विद्यार्थी शामिल हुए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 31-03-2022**

हकेंवि में लाइफ साइंसेज के विद्यार्थियों को विभिन्न अवसरों से कराया अवगत

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग द्वारा करियर इन लाइफ साइंसेज - एकेडमिया एंड बियोंड विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन में आयोजित इस वेबिनार में मेटिस हाइव की सह-संस्थापक डॉ. निधि खुराना, जर्नल ऑफ विजुअलाइज्ड एक्सपेरिमेंटस् (जोव) की प्रोडेक्ट मैनेजर डॉ. कल्याणी और हंट्समेन कॉरपोरेशन के सम्राट सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. निधि और डॉ. कल्याणी ने लाइफ साइंसेज के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

गुणवत्ता मूल्यांकन और उत्पादों के प्रबंधन पर व्याख्यान दिया

उन्होंने लाइफ साइंसेज क्षेत्र की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण पर भी विस्तृत चर्चा की। दोनों विशेषज्ञों ने नेटवर्किंग, कम्युनिकेशन और व्यक्तिगत ब्रांड विकसित करने पर एक सत्र आयोजित किया। इसी क्रम में अन्य विशेषज्ञ सम्राट सिंह ने ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार गुणवत्ता मूल्यांकन और उत्पादों के प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। वेबिनार में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, कार्यक्रम संयोजक डॉ. मारुति मुलका, आयोजन समिति सदस्य डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उषा नागराजन, डॉ. सौरभ सक्सेना सहित विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक, संकाय सदस्य व विद्यार्थी शामिल हुए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 31-03-2022**

हकेंवि में राष्ट्रीय वेबिनार का हुआ आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग द्वारा करियर इन लाइफ साइंसेजः एकेडमिया एंड बियोंड विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन में आयोजित इस वेबिनार में मेटिस हाइव की सह-संस्थापक डा. निधि खुराना, जर्नल ऑफ विजुअलाइज्ड एक्सपेरिमेंट्स (जोव) की प्रोडेक्ट मैनेजर डा. कल्याणी और हंट्समेन कोरपोरेशन के सम्राट सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डा. निधि और डॉ. कल्याणी ने लाइफ साइंसेज के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने लाइफ साइंसेज क्षेत्र की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण पर भी विस्तृत चर्चा की। दोनों विशेषज्ञों ने नेटवर्किंग, कम्यूनिकेशन और व्यक्तिगत ब्रांड विकसित करने पर एक-सत्र आयोजित किया। इसी क्रम में अन्य विशेषज्ञ सम्राट सिंह ने ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार गुणवत्ता मूल्यांकन और उत्पादों के प्रबंधन पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने इस अवसर पर निर्माण एवं फीडबैक प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला। सवाल-जवाब सत्र के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, कार्यक्रम संयोजक डा. मारुति मुलका, आयोजन समिति सदस्य डा. अंतरेश कुमार, डा. उषा नागराजन, डा. सौरभ सक्सेना सहित विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक, संकाय सदस्य व विद्यार्थी शामिल हुए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 31-03-2022**

विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से अवगत कराया

■ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैवरसायन विज्ञान विभाग द्वारा करियर इन लाइफ साइंसेजः एकेडमिया एंड बियोंड विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा में आयोजित इस वेबिनार में मेटिस हाइव की सह-संस्थापक डा. निधि खुराना, जर्नल ऑफ विजुअलाइज्ड एक्सपेरिमेंट्स की प्रोडेक्ट मैनेजर डा. कल्याणी और हंट्समेन कोरपोरेशन के सम्राट सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विश्वविद्यालय।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डा. निधि और डा. कल्याणी ने लाइफ साइंसेज के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से छात्रों को अवगत कराया। उन्होंने लाइफ साइंसेज क्षेत्र की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण पर भी विस्तृत चर्चा की। नेटवर्किंग, कम्यूनिकेशन और व्यक्तिगत ब्रांड विकसित करने पर एक-सत्र आयोजित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 31-03-2022**

हकेंवि में राष्ट्रीय वैबिनार आयोजित

जैव रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित वैबिनार को संबोधित करते विशेषज्ञ।

महेंद्रगढ़, 30 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'करियर इन लाइफ साइंसेज: एकेडमिया एंड बियोंड' विषय पर राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन में आयोजित इस वैबिनार में मेटिस हाइव की सह-संस्थापक डॉ. निधि खुराना, जर्नल ऑफ विजुअलाइज्ड एक्सपैरिमैंट्स (जोव) की प्रोडक्ट मैनेजर डॉ. कल्याणी और हंट्समैन कोर्पोरेशन के सम्राट सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. निधि और डॉ. कल्याणी ने लाइफ साइंसेज के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से अवगत कराया। उन्होंने लाइफ साइंसेज क्षेत्र की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण पर भी विस्तृत चर्चा की। दोनों विशेषज्ञों ने नैटवर्किंग, कम्यूनिकेशन और व्यक्तिगत ब्रांड विकसित करने पर एक सत्र आयोजित किया। इसी क्रम में अन्य विशेषज्ञ सम्राट सिंह ने ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार गुणवत्ता मूल्यांकन और उत्पादों के प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने इस अवसर पर निर्माण एवं फीडबैक प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला।

सवाल-जवाब सत्र के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया। वैबिनार में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, कार्यक्रम संयोजक डॉ. मारुति मुलका, आयोजन समिति सदस्य डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. ऊषा नागराजन, डॉ. सौरभ सक्सेना सहित विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक, संकाय सदस्य व विद्यार्थी शामिल हुए।

हकेंवि में राष्ट्रीय वैबिनार आयोजित

जैव रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित वैबिनार को संबोधित करते विशेषज्ञ।

महेंद्रगढ़, 30 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'करियर इन लाइफ साइंसेज: एकेडमिया एंड बियोंड' विषय पर राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन में आयोजित इस वैबिनार में मेटिस हाइव की सह-संस्थापक डॉ. निधि खुराना, जर्नल ऑफ विजुअलाइज्ड एक्सपैरिमैंट्स (जोव) की प्रोडक्ट मैनेजर डॉ. कल्याणी और हंट्समैन कोर्पोरेशन के सम्राट सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. निधि और डॉ. कल्याणी ने लाइफ साइंसेज के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से अवगत कराया। उन्होंने लाइफ साइंसेज क्षेत्र की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण पर भी विस्तृत चर्चा की। दोनों विशेषज्ञों ने नैटवर्किंग, कम्यूनिकेशन और व्यक्तिगत ब्रांड विकसित करने पर एक सत्र आयोजित किया। इसी क्रम में अन्य विशेषज्ञ सम्राट सिंह ने ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार गुणवत्ता मूल्यांकन और उत्पादों के प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने इस अवसर पर निर्माण एवं फीडबैक प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला।

सवाल-जवाब सत्र के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया। वैबिनार में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, कार्यक्रम संयोजक डॉ. मारुति मुलका, आयोजन समिति सदस्य डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. ऊषा नागराजन, डॉ. सौरभ सक्सेना सहित विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक, संकाय सदस्य व विद्यार्थी शामिल हुए।